डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स

17 अप्रैल 2025

गुरुवार

एक तरफा प्रेम में पागल युवक ने पहले मां-बेटी को मारी गोली, फिर दे दी जान

2

वक्फ मामले में सुप्रीम कोर्ट में आज फिर सुनवाई

70 याचिकाओं पर सुनवाई

एजेंसी/नई दिल्ली

वक्फ संशोधित कानून के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सीजेआई संजीव खन्ना, जस्टिस पीवी संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच इस मामले में दायर 70 याचिकाओं पर सुनवाई की। वक्फ कानून पर लंबी सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट अंतरिम आदेश देने जा रहा था. सीजेआई ने पहले कहा, हम अंतरिम आदेश जारी करने जा रहे हैं। हमारा अंतरिम आदेश इक्विटी को संतुलित करेगा। हम कहेंगे कि जो भी संपत्तियां कोर्ट ने वक्फ घोषित की हैं, उन्हें गैर-वक्फ नहीं माना जाएगा या उन्हें गैर-वक्फ नहीं माना जाएगा.. चाहे वह उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ हो या नहीं। कलेक्टर कार्यवाही जारी रख सकते हैं.. लेकिन प्रावधान प्रभावी नहीं होगा। बोर्ड और परिषद के संबंध में..

पदेन सदस्य नियुक्त किए जा सकते हैं लेकिन अन्य सदस्य मुस्लिम होने चाहिए। हालांकि बाद में कोर्ट ने इस पर कोई आदेश नहीं दिया। मामले की अगली सुनवाई गुरुवार को भी होगी।

इन याचिकाओं में वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 की कई धाराओं को संविधान विरोधी बताते हुए उन्हें रद्द करने की मांग की गई है। वहीं वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 के समर्थन में कई राज्यों ने भी सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। छत्तीसगढ़, असम, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा और राजस्थान ने अर्जी दाखिल कर मामले में पक्षकार बनने की अनुमति मांगी है।

कपिल सिब्बल की दलील

वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने अपनी दलीलें शुरू करते हुए कहा कि संसदीय कानून के जरिए जो करने की कोशिश की जा रही है, वह एक आस्था के आवश्यक और अभिन्न अंग में हस्तक्षेप करना है। अगर कोई वक्फ स्थापित करना चाहता है तो उसे यह दिखाना होगा कि वह पांच साल से इस्लाम का पालन कर रहा है। राज्य को यह कैसे तय करना चाहिए कि वह व्यक्ति मुसलमान है या नहीं? व्यक्ति का पर्सनल लॉ लागू होगा। सिब्बल ने दलील दी कि कलेक्टर वह अधिकारी होता है जो यह तय करता है कि कोई संपत्ति वक्फ है या नहीं। अगर कोई विवाद है तो वह सरकार का हिस्सा होता है और इस तरह वह अपने मामले में न्यायाधीश होता है। यह अपने आप में असंवैधानिक है।

ईडी की कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

नेशनल हेराल्ड केस

एजेंसी/नई दिल्ली

नेशनल हेराल्ड मामले में जांच एजेंसी ईडी की ओर से अदालत में चार्जशीट दायर किए जाने के बाद कांग्रेस सड़क पर उतर आई है। क्योंकि ईडी की चार्जशीट में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में नेता राहुल गांधी, इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा, सुमन दुबे सहित कई लोगों के नाम शामिल हैं। बताना होगा कि दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में ईडी की ओर से चार्जशीट दायर की गई है। अदालत इस मामले में 25 अप्रैल को सुनवाई करेगी। 1

कांग्रेस ने कहा है कि नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी की ओर से दायर की गई चार्जशीट की कार्रवाई पूरी तरह बदले की राजनीति है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह विपक्षी नेताओं को डराने के लिए सरकारी एजेंसियों का

इस्तेमाल कर रहे हैं। वहीं गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी जी पर 12 साल पुराने फर्जी मामले में चार्जशीट दाखिल करके ईडी की कार्रवाई भाजपा की कायरता और घटियापन का सबूत है। देश के लिए शहादत देने वाले परिवार को प्रधानमंत्री झुकाना चाहते हैं, राजनीतिक प्रतिशोध में बार-बार एजेंसियों के दुरुपयोग से सत्य की आवाज को दबाना चाहते हैं।

वहीं बीजेपी के प्रवक्ता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि सोनिया और राहुल ने मामले को खत्म करने के लिए हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया लेकिन उन्हें कोई राहत नहीं मिली। राहुल गांधी और सोनिया गांधी को जवाब देना चाहिए कि कानून को अपना काम करने देना चाहिए या नहीं? नरेंद्र मोदी की सरकार कानून को अपना काम करने देगी।

सकरा प्रखंड क्षेत्र के रामपुरमणि गांव में हुआ दर्दनाक हादसा

मुजफ्फरपुर की दलित बस्ती में लगी भीषण आग, जिंदा जल गए चार बच्चे

हर आंख हुई नम

- बिजली के शॉट सर्किट से लगी आग ने कई घरों को अपनी आगोश में ले लिया
- इस दौरान घर में रखे गैस सिलेंडर में भी लग गई आग
- मृतकों में तीन बच्चे एक ही परिवार के

केटी न्यूज/पटना

मुजफ्फरपुर जिले में भीषण अग्निकांड में चार बच्चों की जिंदा जलकर मौत हो गई। मृतकों में अंशिका कुमारी पांच वर्ष पिता छोटू पासवान, ब्यूटी कुमारी आठ वर्ष, सृष्टि कुमारी छह वर्ष और विपुल कुमार 10 वर्ष पिता राजन पसान शामिल हैं। इसमें तीन बच्चे एक ही परिवार के हैं। घटना जिले के सकरा प्रखंड क्षेत्र के बरियारपुर थाना क्षेत्र के रामपुरमणि गांव की बताई गई है। बताया जा रहा है कि बिजली के शॉट सर्किट के बाद से लगी आग के बाद आग ने दूसरे घर को अपनी आगोश में ले लिया। इस दौरान घर में रखे हुए घरेलू गैस सिलेंडर में आग लग गई। उसके बाद देखते ही देखते आग

ने कई घर को अपनी आगोश में ले लिया। लोग जब तक कुछ समझ पाते, तब तक कई घरों में आग लग गई। आग लगने के बाद ग्रामीण में अफरा तफरी की स्थिति बन गई। लोग इस दौरान आसपास से पानी लाकर आग पर काबू पाए जाने के प्रयास में जुट गए। लेकिन आग

की तेज लपटों से इसी दौरान में घर में कई लोग फंस गए और जान बचाकर भागने लगे।

इसी दौरान एक घर में आग लग गई, जिसके बाद आग के बीच में बच्चों के फंसे होने के बाद वह निकल नहीं सके और अंदर ही झुलस गए और जिंदा जलकर मौत हो गई।

पीड़ितों से मिले चिराग पासवान

घटना की जानकारी मिलने के बाद लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान बुधवार को पीड़ित परिवार से मिलकर दुख जताया। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, बरियारपुर थाना क्षेत्र के रामपुर मनी गांव के महादलित बस्ती में आग लगने के कारण चार लोगों की दर्दनाक मौत हुई और 50 से अधिक घर खाक हो गए। यह सिर्फ हादसा नहीं, एक ज़िंदा त्रासदी है। मुजफ्फरपुर अग्निकांड को लेकर मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

सूचना के बाद मौके पर पहुंची अग्निशमन विभाग की कई गाड़ी ने आग पर कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया।

घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी की स्थिति बन गई और इसमें मृतक बच्चों के परिवार में इस घटना से रो-रो कर बुरा हाल है। स्थानीय ग्रामीण ने बताया कि सभी लोग अपने खेतों में काम करने के लिए गए थे। इसी दौरान एक घर में आग लग गई और फिर देखते ही देखते कई घर जलकर राख हो गए। इस दौरान कई घर जलने लगे और इसमें कई लोग फंस गए थे और बच्चे भी जल गए।

राजकोट में सिटी बस से कुचलकर चार लोगों की मौत

राजकोटः गुजरात के राजकोट में इंदिरा सर्किल पर ट्रैफिक सिग्नल पर खड़े लोगों को सिटी बस कुचलते हुए चली गई। जिससे चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 2 पुरुष और 2 महिलाएं शामिल हैं। यह पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। घटना के बाद लोग आक्रोशित हो गए और सड़क पर जाम लगा दिया। साथ ही लोगों ने कई बसों में तोड़फोड़ भी कर दी। बवाल की खबर लगते ही कई थानों की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। जिसके बाद पुलिस ने लोगों को समझाने की कोशिश की, लेकिन लोग नहीं माने। ऐसे में पुलिस ने लोगों को हटाने के लिए हल्के बल का भी प्रयोग किया।

पुलिस ने बताया कि राजकोट में इंदिरा सर्किल पर ट्रैफिक सिग्नल पर खड़े लोगों को सिटी बस कुचलते हुए चली गई। जिससे 2 महिलाओं और 2 पुरुषों सहित 4 लोगों की मौत हो गई। जबकि इस हादसे में बस ड्राइवर भी गंभीर रूप से घायल हो गया। पूरे मामले की जांच की जा रही है। सीसीटीवी में देखा जा सकता है कि चौराहे पर ट्रैफिक सिग्नल था। जिसके चलते लोग रुके हुए थे। वहीं, जब ट्रैफिक सिग्नल खुला तो लोग चलने लगे। हालांकि इसी दौरान पीछे से आई सिटी बस स्कूटी सवार लोगों को कुचलते हुए चली गई।

भिवानी में पत्नी ने पति को मारकर नाले में फेंका शव

रील को लेकर पति-पत्नी में अक्सर होती थी बहस

एजेंसी/भिवानी

उत्तर प्रदेश के सौरभ राजपूत हत्याकांड की चर्चा अभी थमी भी नहीं थी कि हरियाणा से एक चौंकाने वाला मामला सामने आ गया। यहां भिवानी जिले में एक शख्स की उसकी पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर कथित तौर पर हत्या कर दी। वहीं, उसके शव को भी ठिकाने लगा दिया।

रिपोर्ट के अनुसार पति को अपनी पत्नी के विवाहोत्तर संबंध के बारे में पता चल गया था। इस वजह से ही उसने हत्या को अंजाम दिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी रवीना जो इंस्टाग्राम पर खूब फेमस हैं ने अपने प्रेमी की मदद से पहले पति को मारा और फिर उसके शव को बाइक से ले जाकर शहर के बाहर नाले में फेंक दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक हत्या की घटना 25 मार्च की है। फिलहाल पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार गिरफ्तार की गई रवीना अक्सर अपने पति प्रवीण के साथ सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो और रील को लेकर बहस करती थी। दंपति ने 2017 में शादी की और उनका छह साल का बेटा मुकुल है। रेवाड़ी जिले के जूडी गांव की रहने वाली रवीना ने भिवानी

के पुराने बस स्टैंड के पास गुजरों की ढाणी निवासी प्रवीण से शादी की थी। प्रवीण रेत और बजरी की दुकान पर ड्राइवर के रूप में काम करता था। रवीना की सोशल मीडिया पर एक्टिविटी को लेकर दंपति में अक्सर झगड़ा होता था।

दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया था: करीब डेढ़ साल पहले रवीना की इंस्टाग्राम के जरिए हिसार जिले के प्रेमनगर गांव के यूट्यूबर सुरेश से दोस्ती हुई थी। पुलिस के अनुसार, 25 मार्च को प्रवीण ने कथित तौर पर रवीना और सुरेश को भिवानी स्थित उनके घर पर आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया था। इस वजह से खूब हंगामा हुआ। दोनों के बीच तीखी बहस हुई। बाद में उसी रात रवीना और उसके प्रेमी ने कथित तौर पर प्रवीण की गला घोंटकर हत्या कर दी। शक से बचने के लिए दोनों ने प्रवीण के शव को बाइक पर लादकर शहर के बाहर दिनोद रोड पर एक नाले में फेंक दिया।

नासिक में अवैध दरगाह गिराए जाने का विरोध कर रहे लोगों ने किया पुलिस टीम पर हमला

एजेंसी/नासिक

महाराष्ट्र के नासिक शहर में एक अनधिकृत दरगाह को गिराए जाने का विरोध कर रहे कुछ लोगों ने कथित तौर पर पुलिस पर हमला कर दिया, जिसमें 21 पुलिसकर्मी घायल हो गए और तीन पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना मंगलवार देर रात हुई और पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया और आंसूगैस के गोले छोड़े तथा स्थिति को नियंत्रण में किया।

उन्होंने बताया कि हिंसा के सिलसिले में 15 लोगों को हिरासत में लिया गया है। घटना के समय घायल पुलिसकर्मी अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षा ड्यूटी पर थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि फिलहाल स्थिति शांतिपूर्ण है। पुलिस ने बताया कि बुधवार सुबह करीब छह बजे नासिक नगर निगम (एनएमसी) के कर्मियों ने बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश के बाद शहर के काठे गली इलाके में स्थित अनधिकृत सतपीर बाबा दरगाह को ध्वस्त कर दिया। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट के आदेश के अनुसार, सतपीर दरगाह के ट्रस्टियों ने मंगलवार रात को ढांचे को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी। नासिक के पुलिस आयुक्त संदीप कार्णिक ने कहा कि हटाने का विरोध करने के लिए भीड़ एकत्र हो गई और प्रदर्शनकारियों को शांत करने गए पुलिस और मुस्लिम नेताओं पर पथराव किया। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया और आंसूगैस के गोले छोड़े तथा स्थिति को नियंत्रण में किया।

सीएम ममता ने सीएम योगी को सबसे बड़ा भोगी बताया

एजेंसी/कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बीच जुबानी जंग छिड़ गई है। ममता बनर्जी ने योगी आदित्यनाथ पर पलटवार करते हुए उन्हें 'सबसे बड़ा भोगी' बताया। कोलकाता के नेताजी इनडोर स्टेडियम में आयोजित मौलाना के सम्मेलन में ममता बनर्जी ने उत्तर प्रदेश में पुलिस एनकाउंटर पर भी सवाल उठाए। मुर्शिदाबाद हिंसा के बाद यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने ममता बनर्जी पर हमले किए थे। बुधवार को ममता बनर्जी ने बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को मुर्शिदाबाद दंगे के लिए जिम्मेदार ठहराया। अगर टीएमसी वक्फ हिंसा में शामिल होती तो हमारे नेताओं के घरों पर हमला नहीं होता। योगी आदित्यनाथ को जवाब देते हुए पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि योगी बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं। वे सबसे बड़े भोगी हैं। महाकुंभ में कई लोगों की जान चली गई। उत्तर प्रदेश में लोग एनकाउंटर में मारे जाते हैं। वे लोगों को रैलियां नहीं निकालने देते।

ट्रायल के तौर पर किया गया है शुरू, सेवा सफल रही तो आगे इसके विस्तार पर की जाएगी चर्चा

अनोखी पहल... मध्य रेलवे ने पंचवटी एक्सप्रेस में लगाया एटीएम

एजेंसी/मुंबई

मध्य रेलवे ने ट्रेन में यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर पंचवटी एक्सप्रेस में एटीएम लगाया है। फिलहाल इसे ट्रायल के तौर पर शुरू किया गया है। यदि यह सेवा सफल रही तो आगे इसके विस्तार करने पर चर्चा की जाएगी। यह ट्रेन नासिक के मनमाड से मुंबई के बीच चलती है।

मध्य रेलवे के भुसावल मंडल के अधिकारियों के अनुसार मुंबई-मनमाड पंचवटी एक्सप्रेस में प्रायोगिक आधार पर एक स्वचालित टेलर मशीन (एटीएम) लगाई गई है। ये एक निजी बैंक द्वारा उपलब्ध कराया

गया। यह एटीएम दैनिक एक्सप्रेस सेवा के वातानुकूलित चेयर कार कोच में स्थापित किया गया है। इसे शीघ्र ही यात्रियों के लिए उपलब्ध करा दिया जाएगा।

मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी स्वप्निल नीला ने पीटीआई को बताया कि एटीएम को प्रायोगिक आधार पर पंचवटी एक्सप्रेस में लगाया गया है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार एटीएम को कोच के पिछले हिस्से में एक कक्ष में स्थापित किया गया है। ये पहले अस्थायी पेंट्री के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। वहीं, द इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक रेलवे के भुसावल डिवीजन और बैंक ऑफ महाराष्ट्र के बीच साझेदारी के माध्यम से इनोवेटिव एंड नॉन-फेयर रेवेन्यू आइडियाज स्कीम के तहत एटीएम की शुरूआत की गई।

भुसावल के डिवीजनल रेलवे मैनेजर इति पांडे ने कहा, परिणाम अच्छे रहे। लोग अब चलती ट्रेन में कैश निकाल सकेंगे। हम मशीन की परफोर्मेंस मॉनिटर करते रहेंगे। पांडे ने कहा, ट्रेनों में एटीएम लगाने का विचार सबसे पहले भुसावल डिवीजन द्वारा आयोजित INFRIS मीटिंग के दौरान सामने आया था, जब प्रस्ताव आया तो हमने तुरंत तौर-तरीकों पर चर्चा की।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रेन में एटीएम लगाने के लिए मनमाड रेलवे वर्कशॉप में मशीन में विशेष तकनीकी बदलाव किए गए। इसके अलावा ट्रेन के कोच में भी इंफ्रास्ट्रक्चर और इलेक्ट्रिक सपोर्ट के लिए बदलाव गए थे। ट्रेन के चलते समय सुरक्षा और एक्सेस सुनिश्चित करने के लिए एटीएम में एक शटर दरवाजा प्रदान किया गया है।

नालंदा जिला के सिलाव थाना क्षेत्र के सिंह कॉलोनी का मामला

एक तरफा प्रेम में पागल युवक ने पहले मां-बेटी को मारी गोली, फिर दे दी जान

- 22 अप्रैल को तिलक और 28 अप्रैल को लड़की की होने वाली थी शादी
- आरोपी युवक लड़की के भाई का दोस्त था

केटी न्यूज/पटना

नालंदा में प्रेम प्रसंग में एक युवक ने अपनी प्रेमिका और उसकी मां की गोली मारकर हत्या कर दी और फिर खुद को भी गोली मार ली। घटना सिलाव थाना क्षेत्र के सिंह कॉलोनी की है। घटना के संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि चंडी मऊ निवासी मनीष कुमार नाम के युवक ने सिंह कॉलोनी की निवासी पूनम कुमारी और उसकी मां पुद्रुस देवी को गोलियों से भून दिया। हत्या के बाद युवक ने खुद को भी गोली मार ली। आननफानन में उसे पावापुरी विम्स ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना के संबंध में लड़की के पिता ने बताया कि आरोपी मनीष कुमार उनके बड़े बेटे का दोस्त था। इस वजह से वह घर आया-जाया करता था। इसी दौरान दोनों में सम्पर्क हुआ और फिर दोनों बातचीत करने लगे। पूनम की शादी तय हो गई थी। होने वाला दूल्हा सीवान के एसपी का अंगरक्षक है। 15 अप्रैल को छेका हुआ था। अब 22 अप्रैल को तिलक और 28 अप्रैल को शादी होने वाली थी।

लड़की के पिता ने बताया कि बुधवार शाम में आरोपी मनीष कुमार बैग में कपड़ा लेकर आया और पूनम को घर से भागकर शादी करने की बात कहने लगा। इसी दौरान वहां पूनम की मां आ गई और उसने दोनों की बातें सुन ली। मनीष की बातें सुनते ही पूनम की मां भड़क गई और गुस्से में उसे डांट फटकार करने लगी। इसी दौरान गुस्से में मनीष ने पिस्टल निकालकर पहले पूनम की मां को दो गोली दाग दी। दनादन सीने और सिर में गोली लगते ही पूनम की मां जमीन पर गिर पड़ी और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। मां को गोली लगते ही पूनम मनीष पर बरस पड़ी, जो मनीष के लिए असहनीय था। इतने में मनीष ने फिर दो गोली पूनम को भी दाग दी।

घटनास्थल से पुलिस ने बरामद किया एक पिस्टल

घटना के संबंध में एसपी भरत सोनी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल मनीष को तुरंत पावापुरी विम्स ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटनास्थल से पुलिस ने एक पिस्टल भी बरामद किया है। घटनास्थल पर एफएसएल की टीम भी पहुंच कर जांच की। घर वालों की स्थिति फिलहाल ऐसी नहीं है कि उनसे फिलहाल पूछताछ की जा सके। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

वैशाली में प्रेम-प्रसंग में नाबालिग की कार से कुचलकर हत्या

पटना। बिहार के वैशाली जिले में प्रेम-प्रसंग में 17 वर्षीय नाबालिग की हत्या करने का मामला सामने आया है। घटना महुआ थाना क्षेत्र के मुकुंदपुर सिंघाड़ा गांव की है। मृतक की पहचान स्वर्गीय मुकेश कुमार सिंह के 17 वर्षीय पुत्र दीपक कुमार बताया गया है। स्थानीय लोगों के द्वारा बताया जा रहा है कि दीपक लड़की को देर रात घर छोड़ने जा रहा था। इस दौरान लड़की के परिजनों ने दोनों को देख लिया था और कार से पीछा कर उसके चलती बुलेट बाइक में ठोकर मार कर गिरा दिया और उसे कार से कुचल-कुचल कर मौत के घाट उतार दिया। मृतक दो भाई में बड़ा भाई था और छोटा भाई 13 साल का उज्जवल कुमार है। मृतक के पिता मुकेश कुमार सिंह की मौत तीन साल पहले गंभीर बीमारी के कारण हुई थी। घटना को लेकर स्थानीय अजीत कुमार सिंह ने बताया कि दो-तीन महीने से लड़का इस गांव में आया जाया करता था। इसी गांव की एक लड़की से उसका प्रेम-प्रसंग था। लड़का, लड़की को लेकर गया है और तीन बजे अर्धरात्रि में घर पहुंचाने आया है। ऐसी पहुंचाने के क्रम में लड़की के परिवार वालों ने उसे देख लिया था और उसकी कार से ठोकर मारकर गिरा दिया। उसके बाद कार से रौंद डाला।

पूर्व आईजी नूरुल होदा मुकेश सहनी की पार्टी में शामिल

केटी न्यूज/पटना

पूर्व आइपीएस अधिकारी शिवदीप लांडे और आनंद मिश्रा के बाद एक और अधिकारी की बिहार की राजनीति पारी में एंट्री हो चुकी है। सीतामढ़ी के मेहसौल आजाद चौक निवासी नूरुल होदा बुधवार को सन ऑफ मल्लाह मुकेश सहनी की पार्टी में शामिल हुए। सियासी पारी की शुरूआत करने से पहले वह दिल्ली रेलवे के आईजी पद पर थे। कुछ दिन पहले ही उनका इस्तीफा सरकार ने स्वीकार किया है। बुधवार को पटना मौर्या लोक होटल के सभागार में अपने समर्थकों के साथ मुकेश सहनी की पार्टी वीआईपी में शामिल हुए। मुकेश सहनी ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। नूरुल होदा सीतामढ़ी जिले के किसी विधानसभा से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। मुकेश सहनी ने कहा कि नूरुल होदा दो माह पहले हमसे मिले थे। तब उन्होंने बिहार की सेवा करने की बात कही थी। उस वक्त वो आईजी के पद पर तैनात थे। हमने कहा कि आप जैसे अच्छे लोग अगर राजनीति में आते हैं तो यह बिहार के लिए काफी बेहतर होगा। आज वह पार्टी में शामिल हो गए। मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं। हमलोग एक साथ मिलकर बिहार के गरीबों की आवाज उठाएंगे। गरीब की हक की लड़ाई लड़ेंगे।

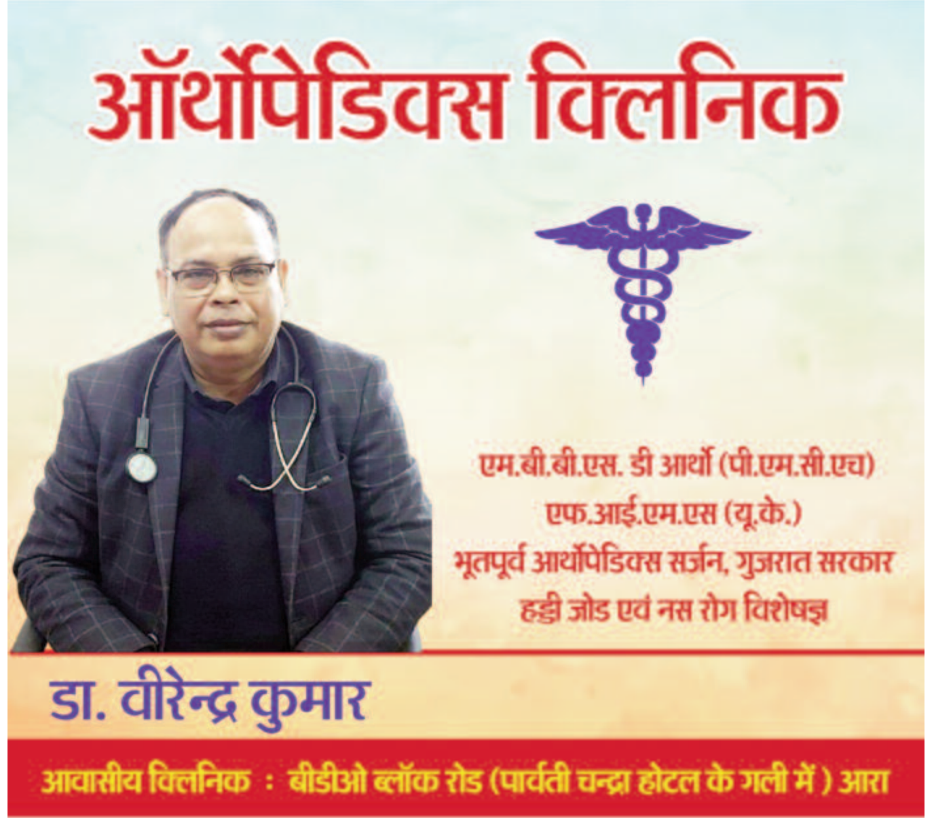

नालंदा में मवेशी लेकर घर लौट रहे पिता-पुत्र की सड़क हादसे में मौत, एकसाथ जलीं दो चिताएं

केटी न्यूज/पटना

नालंदा में भीषण सड़क हादसे में पिता और पुत्र की मौत हो गई। दोनों मवेशी लेकर घर लौट रहे थे। बिन्द थाना क्षेत्र अंतर्गत बेनार-सकसोहरा मुख्य मार्ग के पेट्रोल पंप के समीप तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने दोनों को टक्कर मार दी। मरने वालों की पहचान बिन्द थाना क्षेत्र के जहाना गांव निवासी स्वर्गीय रामानंद पांडे के पुत्र बृजेश पांडेय (75) एवं ब्रजेश पांडे की पुत्र राजेश कुमार पांडेय (40) के रूप में की गई है।

परिजन ने बताया कि मंगलवार देर रात पिता-पुत्र मवेशी लेकर घर लौट रहे थे। इसी बीच बिन्द चौक से 500 मीटर दक्षिण एक पेट्रोल पंप के पास अज्ञात ट्रैक्टर ने पीछे से राजेश कुमार को टक्कर मार दी। इस हादसे में राजेश कुमार पांडे की मौके पर ही मौत हो गई। जब ब्रजेश पांडे ने ट्रैक्टर चालक को पकड़ने का प्रयास किया तो चालक ट्रैक्टर लेकर तेज गति से भागने लगा। जिसके कारण झटके से बुजुर्ग भी घायल हो गए। जख्मी हालत में बुजुर्ग को बिन्द प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां से हायर सेंटर जाने के दौरान ब्रजेश पांडेय की भी मौत हो गई। सारे थाना क्षेत्र के बड़ेपुर गांव से पिता-पुत्र भैंस के बच्चे को खरीद कर लेकर आ रहे थे। हादसे की खबर जैसे ही घरवालों को मिली परिजन मौके पर पहुंचे, इसके बाद शव को देख चीख-पुकार मच गई। बाप-बेटे की मौत से पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया। दोनों की अर्थी एक साथ बुधवार को गांव से निकली। इसमें में बिन्द थानाध्यक्ष चन्दन कुमार सिंह ने बताया कि अज्ञात वाहन की चपेट मां आने से पिता पुत्र गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इस हादसे में राजेश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि ब्रजेश पांडे की मौत इलाज के क्रम में हो गई। शव को पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है। एवं पुलिस अज्ञात वाहन की पहचान में जुट गई है। आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

अवैध खनन पर रोक लगाएं : डिप्टी सीएम

पटना। डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने कृषि तथा खनन विभाग से संबंधित समीक्षा बैठक की। इस दौरान डिप्टी सीएम ने जिला कृषि पदाधिकारी से फसल क्षति तथा बीज वितरण के संदर्भ में जानकारी ली। साथ ही उन्हें कृषि विभाग के सब्सिडी धारक और कर्मी की बैठक करने तथा टास्क फोर्स की नियमित रूप से बैठक करने का निर्देश दिया। वहीं खनन विभाग की समीक्षा के दौरान डिप्टी सीएम ने सहायक निदेशक खनन को अवैध खनन और परिवहन पर पूर्ण रोकथाम लगाने के निर्देश दिए। इसके अलावा निर्माण से संबंधित सभी कार्य विभागों को अपने विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं में वैध चालान से ही खनिज आपूर्ति करने का निर्देश दिया गया।

निलंबित सीओ के दो ठिकानों पर छापा

पटना। नीतीश सरकार ने एक और भ्रष्ट अधिकारी पर बड़ी कार्रवाई की है। अंचलाधिकारी (निलंबित) प्रिंस राज के दो ठिकानों पर छापेमारी की। विशेष निगराई इकाई (एसवीयू) की अलग-अलग टीम प्रिंस राज के शेखुपरा और मधुबनी स्थित ठिकाने पर पहुंची। टीम को अब तक उनकी आय से 28 लाख रुपए अधिक की संपत्ति मिली है। एसवीयू के अनुसार, जांच में चला कि प्रिंस राज के पास उनकी आय से 90 प्रतिशत संपत्ति है। 2019 में प्रिंस राज अंचलाधिकारी बने थे। योगदान के दौरान करीब 28 लाख दो हजार रुपये की संपत्ति नाजायज ढंग से अर्जित की। इसका कोई स्पष्टीकरण उनके पास नहीं है। इसके अलावा प्रिंस राज ने जमीन, मकान में जो निवेश किया है, उन स्थानों का स्पष्ट उल्लेख उनके द्वारा बताई गई संपत्ति में नहीं है।

स्वास्थ्य विभाग ने राज्य के 334 डॉक्टरों का किया ट्रांसफर, 3 जिलों के सिविल सर्जन बदले

केटी न्यूज/पटना

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश सरकार ने स्वास्थ्य विभाग में बड़ा फेरबदल किया है। स्वास्थ्य विभाग ने राज्य के 334 डॉक्टरों का ट्रांसफर किया है। इसमें तीन जिलों के सिविल सर्जन समेत 65 चिकित्सा पदाधिकारी भी शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, डॉ. विनोद कुमार चौधरी को नवादा, डॉ. दीपक कुमार को शिवहर और डॉ. राजकुमार चौधरी को किशनगंज का सिविल सर्जन बनाया गया है। दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल का उपाधीक्षक डॉ. अमित कुमार झा को बनाया गया है। यह स्थानांतरण अगले आदेश तक के लिए किया गया है।

डॉ. नीता अग्रवाल, जो पहले नवादा में असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी के रूप में कार्यरत थीं, उन्हें अब स्वास्थ्य विभाग, पटना में अपर निदेशक के पद पर स्थानांतरित किया गया है। डॉ. देवदास चौधरी, जो शिवहर में असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी थे, अब मुंगेर में क्षेत्रीय उप निदेशक के रूप में अपनी सेवाएं देंगे। डॉ. राजेंद्र चौधरी, अधीक्षक, संक्रामक रोग अस्पताल, अगमकुआं, पटना, को स्वास्थ्य विभाग, पटना में अपर निदेशक बनाया गया है। डॉ. राज कुमार चौधरी, सह प्राध्यापक, ई.एन.टी. विभाग, अनुग्रह नारायण मगध चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, गया, को किशनगंज में असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

अधिसूचना में सभी स्थानांतरित चिकित्सकों को निर्देश दिया गया है कि वह अपने नए पदस्थापन स्थान पर तुरंत योगदान करें। सभी संबंधित असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी/नियंत्री पदाधिकारी को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि यदि चिकित्सकों का पदस्थापन अतिरेक हो जाता है, तो उन्हें तत्काल मुख्यालय (स्वास्थ्य विभाग) में योगदान करने की व्यवस्था करें।

जिला निगरानी कोषांग की समीक्षा बैठक में बोले अपर मुख्य सचिव...

निगरानी से जुड़े मामलों का निपटारा दो से तीन वर्ष में पूरा करने पर फोकस करें सभी पदाधिकारी

केटी न्यूज/पटना

निगरानी से जुड़े मामलों का निपटारा पिछले वर्ष लागू किए गए नए कानून के अंतर्गत दो से तीन वर्ष में पूरा करने पर सभी पदाधिकारी फोकस करें। ये बातें निगरानी विभाग के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने मुख्य सचिवालय स्थित अधिवेशन भवन में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करने के दौरान कही। निगरानी विभाग की तरफ से जिला निगरानी कोषांग/उड़नदस्ता दल की समीक्षा बैठक सह कार्यशाला का आयोजन बुधवार को किया गया। इसमें मौजूद विभागीय अधिकारी तथा सभी जिलों से आए पदाधिकारी समेत को अपर मुख्य सचिव ने कहा कि सभी जिला निगरानी के अंतर्गत दर्ज मामलों की सतत मॉनीटरिंग करें। इसकी जांच समय पर पूरी करें और दोषियों को सजा दिलाकर मामले का निपटारा जल्द से जल्द कराने की कवायद तेज करें।

एसीएस चौधरी ने कहा कि सभी जिलों में मौजूद निगरानी कोषांग भ्रष्ट पदाधिकारियों की पहचना करें। इनकी अवैध संपत्ति की जांच कर निगरानी को कार्रवाई के लिए पहल करें। सभी सरकारी कार्यों का निष्पादन स्वच्छ तरीके से जिला स्तर पर हो, इसके लिए निगरानी कोषांग पूरी मुस्तैदी से मॉनिटरिंग करें। सरकारी कार्यालयों में दलालों और बिचौलियों के खिलाफ कार्रवाई करें। ताकि आम लोगों को योजनाओं का लाभ लेने में किसी तरह की समस्या न आए। इस मौके पर अधिकारियों ने पीपीटी प्रस्तुतिकरण के माध्यम से निगरानी से जुड़ी कार्रवाई और भ्रष्टाचार से संबंधित स्थिति और इस पर कार्रवाई की पूरी विस्तृत जानकारी अधिकारियों ने दी। अधिकारियों और कानून के जानकारों ने भ्रष्टाचार निवारण कानून और इसके प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित जानकारी दी।

सभी जिले निगरानी कोषांग से जुड़ी हेल्प लाइन नंबर को संचालित करें। इसका एक मोबाइल नंबर भी सभी को जारी करने के लिए कहा गया। जल्द ही सभी डीएम को इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया जाएगा।

राजपुर में अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, पक्के मकान किए गए ध्वस्त

- दो गांवों में दबंगो ने सार्वजनिक रास्ते व पोखरे की जमीन पर अतिक्रमण कर बना लिया था मकान

केटी न्यूज/राजपुर

प्रखंड के सिकठी पंचायत के बिरना और दुल्फा पंचायत के इटढ़िया मौजा में आनाबाद सर्वसाधारण रास्ते की जमीन पर किए गए अतिक्रमण को प्रशासन ने हटाते हुए पक्के मकानों को तोड़कर जमीन को अतिक्रमणमुक्त कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सिकठी पंचायत के बिरना मौजा अंतर्गत खाता संख्या 173, खेसरा संख्या 723, रकबा 2 एकड़ 56 डिसमिल जमीन पर कुछ स्थानीय लोगों ने पक्के मकान बनाकर रास्ते की जमीन पर अतिक्रमण कर लिया था। इस कारण वहां के ग्रामीणों को परेशानी हो रही थी। जिसे लेकर कई बार पंचायत स्तर पर पहल की गई थी। परंतु अतिक्रमण नहीं हो हटा रहा था। अंत में स्थानीय लोग इसके विरोध में उतर आये। इसके बाद ग्रामीणों ने अंचल कार्यालय में आवेदन दिया। प्राप्त आवेदन के आलोक में अंचलाधिकारी ने भूमि की मापी करायी। कानूनी प्रक्रिया के तहत अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किया गया। परंतु अतिक्रमणकारी हटने को तैयार नहीं हो रहे थे। इसके बाद अनुमंडल पदाधिकारी के आदेश पर कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने उक्त जमीन को अतिक्रमणमुक्त कराने का सख्त आदेश दिया। इसके तहत मजिस्ट्रेट के रूप में सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी शशि भूषण पांडेय और बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। महिला पुलिस कर्मियों को भी तैनात किया गया था। इसके हतर दुल्फा पंचायत के इटढिया मौजा (खाता संख्या 237, खेसरा संख्या 724, रकबा 66 डिसमिल) की आनाबाद सर्वसाधारण रास्ते की जमीन पर बनाए गए पक्के मकान को भी प्रशासन द्वारा हटाया गया। इस कार्रवाई में दंडाधिकारी पीओ मोहम्मद सज्जाद जहीर एवं पुलिस बल के अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन की इस कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा रही और यह मामला चर्चा का विषय बन गया। सीओ डॉ. शोभा कुमारी ने बताया कि अतिक्रमण वाद अधिनियम के तहत अन्य पंचायतों में भी नोटिस जारी किया गया है और शीघ्र ही वहां भी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी। जिस भूमि का अतिक्रमण किया गया था। उसे खाली कराया गया।

नावानगर में दुगोला रामायण गायन प्रतियोगिता का आयोजन

केटी न्यूज/नावानगर

स्थानीय गांव स्थित छोटका पोखरा ठाकुरबाड़ी परिसर में मंगलवार की रात दुगोला रामायण गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सुप्रसिद्ध रामायण गायक व्यास ददन सिंह व व्यास महेंद्र यादव के बीच कांटे की मुकाबला रहा। गायन प्रतियोगिता का उद्घाटन बिरेन्द्र प्रताप सिंह, धर्मेन्द्र यादव, चंदन मास्टर, बिरेंद्र यादव, बिकास गुप्ता सहित ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इसके बाद आयोजकों ने दोनों गायकों समेत सभी आगंतुकों को अंग वस्त्र से सम्मानित किया। जिसके बाद रामायण गायन कार्यक्रम शुरू हुआ। दोनों व्यासों ने बारी-बारी से रामायण की चौपाइयों और संवादों पर आधारित गायन बेहद ही रोचक रहा। व्यासों ने अपनी गायकी, भाव-भंगिमा और गूढ़ व्याख्याओं के माध्यम से न सिर्फ राम कथा का प्रसार किया, बल्कि उपस्थित जनसमूह को आध्यात्मिक भावनाओं से ओतप्रोत कर दिया। दुगोला गायन की शैली में एक-दूसरे के प्रश्नों का जवाब तलब भी रामायण की चौपाइयों के माध्यम से किया। दर्शकों ने दोनों गायकों की प्रस्तुतियों पर का खूब सराहना की।

खबरें फटाफट

शराब के साथ नाबालिग सहित एक तस्कर धराया

डुमरांव। डुमरांव पुलिस ने लालगंज कड़वी मोहल्ले में छापेमारी कर देसी शराब के साथ नाबालिग सहित दो तस्करों को पकड़ा है। पुलिस की टीम आरोपितों के ठिकाने से पांच लीटर देसी शराब बरामद किया है। पुलिस के अनुसार पकड़े गये आरोपितों में हरेराम उर्फ निठाली के अलावे एक नाबालिग शामिल है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मद्य निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया। जबकि नाबालिग आरोपी को बाल सुधार गृह भेजने की कार्रवाई चल रही है।

जिले में खेलों के आयोजन को लेकर जारी हुआ निर्देश

बक्सर। जिले में मशाल 2024 प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। मशाल कार्यक्रम को लेकर शिक्षा विभाग बिहार खेल विभाग, बिहार एवं बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, पटना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जाएगा। इसको लेकर खेल विभाग एवं शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव ने पत्र जारी कर निर्देश दिया है।

बक्सर पीसी कॉलेज के पास वारदात, सीसीटीवी कैमरा में कैद हुई पूरी घटना

शादी समारोह के दौरान चलीं अंधाधुंध गोलियां, एक जख्मी, जांच में जुटी पुलिस

- पुलिस ने घटना को लिया गंभीरता से, पांच नामजद, कुख्यात समेत दो गिरफ्तार
- मैरेज हॉल के अंदर व बाहर 10 राउंड गोलियां चली, पांच खाली खोला बरामद

केटी न्यूज/बक्सर

मुफस्सिल थाना के पीसी कॉलेज के पास स्थित ज्योति मैरिज हॉल में मंगलवार की रात हुए तिलक समारोह के दौरान हुई गोलीबारी की घटना ने अब एक नया मोड़ ले लिया है। अब समारोह आयोजक पक्ष सामने आया है और दावा किया है कि फायरिंग करने वाले वही लोग थे जो घटना में घायल हुए हैं। आयोजकों ने आरोप लगाया है कि उक्त हमलावर हथियारों से लैस होकर समारोह स्थल में घुसे, अंधाधुंध फायरिंग की, मारपीट की, और नकदी व सोने की चेन लूट ली है। वहीं, इस मामले में घायल होने वाले अभय सिन्हा व उनके पुत्र समेत कुल पांच लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कराया गया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुख्यात विशाल कुमार श्रीवास्तव व गोलीबारी में जख्मी अभय सिन्हा को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि फरार चल रहे अभय सिन्हा के पुत्र अमन कुमार सिन्हा, अटल सिंह व संदीप पासवान की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चल रही है। इस आशय की जानकारी देते हुए एसपी शुभम आर्य ने बताया कि फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि जल्दी ही नामजदों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बता दें कि इस घटना के बाद पुलिस गिरफ्त में आया विशाल श्रीवास्तव जिले का कुख्यात अपराधकर्मी है तथा उस पर पूर्व से भी कई संगीन मामले दर्ज है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नया बाजार निवासी राम एकबाल सिंह के मैरिज हॉल में मंगलवार की रात उनके पुत्र ओम प्रकाश सिंह का तिलक समारोह था। इसी बीच दो लोगों के बीच कहासूनी होने लगी। इन दोनों बीच किसी बात को लेकर पूर्व का विवाद था। एक पक्ष ने फोन कर इसकी जानकारी सोंधीला निवासी डबल लाल (अभय कुमार लाल), संदीप पासवान, अटल तथा पुराने हिस्ट्रीशीटर विशाल श्रीवास्तव सहित कुछ अन्य को दी। यह सभी तत्काल हथियार के साथ मैरिज हॉल में घुस आए। इसके बाद विवाद करने वाले उक्त युवक की खोजबीन करने लगे। वह अपनी जान बचाने के लिए मैरेज के एक कमरे में छुप गया। उसका दरवाजा तोड़ने का प्रयास किया जाने लगा। इसी बीच ताबड़तोड़ फायरिंग करने लगे। एक गोली ऊपर दिवार से टकरा कर अभय सिन्हा के जांघ में एक गोली लग गई। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया। मैरिज हॉल संचालक द्वारा मुफस्सिल थाना को दिए गए आवेदन में बताया गया है कि जब इन लोगों को रोकने का प्रयास किया गया, तो उन्होंने दूल्हे के बड़े भाई उमाकांत यादव के साथ मारपीट की। इसके बाद फायरिंग शुरू कर दी गई, जिससे समारोह में भगदड़ और दहशत फैल गई। आरोप है कि आरोपियों ने दूल्हे का करीब 16 ग्राम का सोने का चेन और लगभग 1.15 लाख रुपये नकद भी लूट लिए। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार, आरोपियों ने ताबड़तोड़ करीब 10 राउंड फायरिंग की। सीसीटीवी फुटेज में गोलीबारी और हमले की तस्वीरें कैद हैं। वहीं पुलिस ने घटना स्थल से पांच खोखा बरामद किया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, अभय कुमार लाल और उमाकांत यादव पूर्व परिचित हैं और मंगलवार शाम किसी बात को लेकर दोनों में कहासुनी हुई थी। माना जा रहा है कि उसी विवाद की रंजिश में यह हमला किया गया। इनलोगों ने बताया कि गोलीबारी के दौरान दीवार से टकराकर एक गोली अभय कुमार लाल को लगी, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज, चश्मदीद गवाहों के बयान और घटनास्थल से मिले साक्ष्य के आधार पर आरोपितों की तलाश जारी है। पुलिस ने इस घटना को चुनौती के रूप में लिया है। वहीं इस संबंध में एसपी शुभम आर्य ने बताया कि इस मामले में दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

एक नजर

प्रधानाध्यापकों की बैठक में नामांकन पखवाड़ा की सफलता पर चर्चा

डुमरांव। बुधवार को डुमरांव प्रखंड के सभागार में प्रखंड के सभी मध्य व प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सह डीपीओ रजनीश उपाध्याय ने किया। बैठक में डीपीओ ने सभी प्रधानाध्यापकों को बताया कि नामांकन पखवाड़ा को 22 अप्रैल तक बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि इस नामांकन पखवाड़ा के दौरान अपने-अपने पोषक क्षेत्र के घरों में भ्रमण कर इस बात की तस्दीक करना है कि एक भी बच्चा नामांकन से वंचित न रह जाए। उन्होंने कहा कि यह प्रधानाध्यापकों की जिम्मेवारी है। डीपीओ ने कहा कि आरटीई के तहत यह जरूरी है कि सभी बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा दी जाए। यह तभी संभव है, जब सभी बच्चों का नामांकन हो सकें। वहीं, उन्होंने कहा कि इस काम में लापरवाही बरनते वाले प्रधानाध्यापकों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में कमलेश सिंह, श्रीकांत सिंह समेत दर्जनों प्रधानाध्यापक मौजूद थे।

दो बच्चों की मां गहना और ढाई लाख रुपये लेकर प्रेमी के साथ फरार

बक्सर। दो बच्चों की मां गहना और ढाई रुपये लेकर प्रेमी के साथ भागने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित ने नगर थाना में आवेदन दिया है। पुलिस को दिए आवेदन में पीड़ित ने कहा है कि वह मूल रूप से नया भोजुपर का रहने वाला है। पिछले कुछ समय से शहर के विराट नगर में रह रहा था। उसकी शादी वर्ष 2017 में हुई थी। उसे दो बच्चे भी है। वह जिस मकान में रह रहा था। उसी मकान में जमशेदपुर निवासी अभिषेक कुमार किराये पर रहने लगा। मेरी पत्नी विजया का उससे संबंध में हो गया। पिछले 6 अप्रैल को मेरी पत्नी गहना और पैसा लेकर प्रेमी के साथ फरार हो गई है। अपनी पत्नी की खोज में वह दिल्ली भी गया था। वहां पर उसके ससुर एक निजी कंपनी में काम करते है। किसी तरह से पत्नी से फोन पर संपर्क हुआ था। उस दौरान ससुर ने आश्वासन दिया कि जल्द ही विजया बच्चों के साथ घर चली जाएगी। परंतु अब ससुर का कहना है कि वह अब तुम्हारे साथ नहीं रहेगी। पीड़ित युवक का आरोप है कि उसकी पत्नी को भगाने में उसके ससुर का भी हाथ है। वहीं इस संबंध में थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है। जल्द ही इसकी गुत्थी सुलझा ली जाएगी।

बक्सर सदर व राजपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं की अंतिम मतदाता सूची का किया गया प्रकाशन

केटी न्यूज/बक्सर

निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, 202-राजपुर (अजा) विधानसभा-सह-भूमि सुधार उप समाहर्त्ता बक्सर सदर की अध्यक्षता में बुधवार को अनुमंडल कार्यालय बक्सर सदर में सभी राजनैतिक दलों के जिला अध्यक्ष, सचिव, प्रखंड अध्यक्षों की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के उपरांत कुल मतदाताओं की संख्या के बारे में जानकारी दी गयी। अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के उपरांत 200-बक्सर विधान सभा क्षेत्र में पुरुष मतदाताओं की संख्या-1 लाख 56 हजार सात, महिला मतदाताओं संख्या 1 लाख 47 हजार 625 तथा तृतीय लिंग मतदाताओं संख्या पांच यानि कुल मतदाताओं की संख्या 3 लाख 3 हजार 637 है। इसी प्रकार राजपुर (अजा) विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र में पुरूष मतदाताओं की संख्या 1 लाख 76 हजार 727, महिला मतदाताओं संख्या 1 लाख 67 हजार 215 तथा तृतीय लिंग मतदाताओं संख्या-0 है यानि कुल मतदाताओं की संख्या 3 लाख 43 हजार 942 है। 200-बक्सर विधान सभा क्षेत्र के मतदाता सूची में मार्च माह में कुल परिवर्धन-412, कुल विलोपन-83 तथा कुल सुधार-403 हुआ है। 202-राजपुर (अजा) विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता सूची में कुल परिवर्धन-761, कुल विलोपन-145 एवं सुधार-511 हुआ है। बैठक में सभी राजनैतिक दलों से बीएलए-1, बीएलए-2 की सूची प्राप्त कराने के लिए अनुरोध किया गया है अब तक बक्सर विधान सभा में बीजेपी द्वारा 242, राजद द्वारा 231 तथा जदयू द्वारा 215 बीएलए-2 की सूची प्राप्त कराया गया है। उसी प्रकार राजपुर (अजा) विधान सभा में बीजेपी द्वारा 329, राजद द्वारा 349 तथा जदयू द्वारा 318 बीएलए-2 की सूची प्राप्त कराया गया है। वही कम मतदान प्रतिशत वाले मतदान केंद्रों पर मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए सहयोग करने का अनुरोध किया गया। बैठक में सभी राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ अवर निर्वाचन पदाधिकारी बक्सर सदर, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद बक्सर, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी-सह प्रखण्ड विकास पदाधिकारी इटाढ़ी, डुमरांव, राजपुर, चौसा एवं बक्सर उपस्थित थे।

सभी पंचायतों में स्थापित होंगे निजी व सरकारी महाविद्यालय

बक्सर। जिले के कॉलेज विहीन पंचायतों में उच्च शिक्षा को ले पहल किया जा रहा है। जारी पहल के तहत भूमि चिन्हित करने के लिए जिला के समाहर्ता को निर्देश दिया गया है। निर्देश सचिव अजय यादव द्वारा जारी किया गया है। जारी पत्र के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट अभिभाषण में की गई घोषणा के आलोक में सभी प्रखंडों में डिग्री कॉलेज की स्थापना हेतु भूमि चिन्हित करने को लेकर डीएम को निर्देशित किया गया है। जिससे कॉलेज स्थापना को लेकर आगे की कारवाई की जा सके। उन प्रखंडों में चरणबद्ध तरीके से एक-एक डिग्री कॉलेज (सरकारी/ निजी) की स्थापना किये जाने की घोषणा की गई है, जहां पूर्व से अंगीभूत डिग्री महाविद्यालय संचालित व प्रस्तावित नहीं है। राज्य के वैसे प्रखंड जहां पूर्व से अंगीभूत महाविद्यालय स्थापित व प्रस्तावित नहीं हैं।

शव रेफ्रीजेटर वाहन भी डुमरांव नगर परिषद खरीदने की तैयारी में जुटा

अच्छी पहल... डुमरांव नगर परिषद मृत शरीर को रखने के लिये मुफ्त में देगा शव रेफ्रीजेरेटर

- 4 शव रेफ्रीजेटर की खरीद नप ने खरीदा है
- पहले शव को सुरक्षित रखने के लिये भाड़े पर शव रेफ्रीजेटर मंगाना पड़ता था

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद शहर में नली, गली, सड़क बनाने का काम युद्ध स्तर पर शुरू किया है। लोगों की सहूलियत अब शव को सुरक्षित रखने के लिये शव रेफ्रीजेरेटर की सुविधा बहाल कर दी गई। नगरवासी नप कार्यालय पहुंच इसका उपयोग करने के लिये ले जा रहे हैं। इसकी सुविधा नगरवासियों के लिये मुफ्त रखी गई है। मालूम हो कि किसी परिवार में दुखद घटना घटती है तो देश-विदेश से आने वाले परिजनों को शव से भेंट कराने के लिये एक से दो दिनों तक रखा जाता है, जिससे मृतक का शरीर खराब होने लगता है। अब ऐसी नौबत आने पर मृत शरीर को सुरक्षित रखने के लिये नगर परिषद ने पहले करते हुए चार शव रेफ्रीजेटर खरीदा है। इसकी जानाकरी देते हुए चेयरमैन सुनीता गुप्ता ने बताया कि 4 शव रेफ्रीजेटर की खरीद नप द्वारा की गई है। इसका निर्णय पिछले बोर्ड की बैठक में वार्ड पार्षदों के द्वारा उठाया गया था, जिस स्वीकार करते हुए मंगाया गया है। मंगाते ही इसकी फ्री सुविधा नगरवासियों को दी जाने लगी है। दो दिन के भीतर इसकी दो परिवार उठा चुके हैं। इसकी जानकारी जैसे ही नगरवासियों को मिली सभी ने इसे सराहनीय कदम बताया। मालूम हो कि पहले शव को सुरक्षित रखने के लिये भाड़े पर शव रेफ्रीजेटर मंगाना पड़ता था।

जितना घंटा उसमें शव रहता है, उतना ही चार्ज बढ़ते जाता है। अब ऐसी नौबत नहीं आएगी, नप फ्री में शव रेफ्रीजेटर नगरवासियों को मुहैया कराएगा, चाहे जितना घंटे रखना पड़ जाए। इतना ही नहीं शव रेफ्रीजेटर वाहन भी नप खरीदने जा रही है। इसके लिये टेंडर निकालने की तैयारी चल रही है। वाहन आने के बाद मेट्रोपॉलीटीन सीटीज जैसी सुविधा डुमरांव नगरवासियों को मिलने लगेगी।

जो भी उम्मीदवार आए उनसे स्टांप पर लिखित एग्रीमेंट लें: रवि उज्जवल

♦ पद यात्रा का प्रथम चरण समाप्त, शीघ्र शुरू होगा द्वितीय चरण

केटी न्यूज/डुमरांव

जदयू नेता रवि उज्जवल के जनता एग्रीमेन्ट पद यात्रा का प्रथम चरण बुधवार को संपन्न हो गया। जदयू डुमरांव विधानसभा के पूर्व प्रभारी रहे रवि उज्जवल कुशवाहा अपने जनता एग्रीमेंट पदयात्रा के प्रथम चरण के अंतिम दिन केसठ प्रखंड के स्थानीय पंचायत के गांवों में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने हर गांव में चौपाल आयोजित कर वहां की समस्याओं को सुना तथा प्रमुख समस्याओं के समाधान का स्टांप पेपर पर लिखित आश्वासन दिया। इस दौरान उन्होंने उक्त एग्रीमेंट पेपर पर यह भी लिखा कि यदि मुझे मौका मिला तो जीतने के साढ़े चार वर्ष के अंदर ही इन समस्याओं का समाधान कर दूंगा। ऐसा नहीं करने पर जनता मेरे खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकती है। केसठ पंचायत में उनके पदयात्रा का स्वागत केसठ प्रखंड जदयू अध्यक्ष सह बीससूत्री प्रखंड उपाध्यक्ष कमलेश गुप्ता, जदयू पंचायत अध्यक्ष रघुवीर सिंह, समाजसेवी लालबाबू कुशवाहा

सहित केसठ पंचायत की सैकड़ो जनता ने किया तथा रवि यादव के इस जनता एग्रीमेंट पदयात्रा की जमकर सराहना की और कहा कि ये पहले ऐसा नेता है जो सिर्फ वादा नहीं कर रहे है बल्कि लिखित रूप से यह दे रहे है कि यदि मौका मिला तो मैं अपने पहले ही कार्यकाल में इन-इन समस्याओं का समाधान करूंगा। उनके इस पहल खासकर स्टांप पेपर पर लिखकर देने से जनता उन्हें हाथों हाथ ले रही है।

केसठ में छह वादों को लिखित रूप में दिया : केसठ में पद यात्रा के दौरान रवि ने एग्रीमेन्ट में छह वादे स्टांप पेपर पर लिखित दिये और लोगों से अपील की कि अब कोई भी प्रत्याशी आता है तो उनसे स्टांप पेपर पर लिखित एग्रीमेन्ट ले तब वोट देने की सोचे, समाज तब बदलेगा और नेता तब मनमानी करना छोडेगा। उन्होंने कहा कि जब जनता भी जन प्रतिनिधी से उनके कामों का, उनके आये हुए सरकारी फंडो की राशि का हिसाब लेगी, तब जन प्रतिनिधि सुधरेंगे तथा जनता से किए वायदों को पूरा करेंगे। रवि उज्जवल ने कहा कि जिस तरह हमलोग बेटी, बहन का रिश्ता पूरे देख समझ और सोचकर करते है, उसी तरह जनप्रतिनिधि भी सोच समझ कर चुने, क्योंकि आपका चुना हुआ व्यक्ति समाज में बदलाव करेगा। उन्होंने पदयात्रा के दौरान आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए लोगों से अपील की कि साकारात्मक सोच वाले व्यक्ति को अपना मत दे और यदि ऐसा सोच का जो भी उम्मीदवार होगा तो उसे स्टांप पेपर पर एग्रीमेन्ट करने में कोई दिक्कत नहीं होगी और यदि एग्रीमेन्ट नहीं करता है तो समझ लीजिएगा की उसके मन मे चोरी की भावना छिपा हुआ है।

एक नजर

कोरानसराय पुलिस टीम पर ईंट-पत्थर से हमला, पुलिसकर्मियों ने भागकर बचाई जान

डुमरांव। मठिला गांव में कोरानसराय थाने की पुलिस टीम पर हमला हुआ है। यहां पुलिस टीम शराब मिलने की सूचना पर छापेमारी करने गई थी। इसी दौरान शराब तस्करों ने हमला कर दिया। तस्करों ने पुलिस टीम पर ईंट पत्थर बरसाने के साथ ही अनुसूचित जाति के एक पुलिस पदाधिकारी व स्थानीय गांव के चौकीदार को जातिसूचक शब्द भी कहे है। इस मामले में पुलिस ने उक्त परिवार की महिलाओं समेत कुल 22 लोगों को नामजद किया है। वहीं, बाद में भारी संख्या में पहुंची पुलिस टीम ने तीन नामजदों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, अन्य आरोपित फरार हो गए है, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। इस घटना के बाद क्षेत्र में शराब तस्करों के बढ़े मनोबल की चर्चा हो रही है। मिली जानकारी के अनुसार कोरानसराय पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि मठिला गांव निवासी वीर बहादूर यादव अपने घर में शराब की खेप मंगवाया है तथा इसे ठिकाने लगाने की फिराक में है। इस सूचना पर थानाध्यक्ष अमित के नेतृत्व में तत्काल एक पुलिस टीम वीर बहादूर के दरवाजे पर दस्तक दी, लेकिन पुलिस टीम को देखते ही आरोपित गालियां देने लगे। इस दौरान थानाध्यक्ष ने उन्हें समझाने का प्रयास किया कि आपके घर में शराब होने की सूचना पर हमलोग छापेमारी करने आए है तथा आप पुलिस टीम को छापेमारी करने दें। इसके वीर बहादूर तथा उसका पूरा कुनबा अचानक पुलिस टीम पर ईंट पत्थर से हमला कर दिया। हमला होते ही पुलिस टीम पीछे लौट गई। इस दौरान थानाध्यक्ष समेत कुछ पुलिसकर्मियों को मामूली चोट भी लगी, जबकि एक चौकीदार हरेराम सिंह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जिसे इलाज के लिए डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया।इस दौरान आरोपितों ने कोरानसराय थाने में पदस्थापित पीएसआई राहुल कुमार व मठिला गांव के चौकीदार सोनू पासवान को जातिसूचक शब्द भी कहे। पुलिस ने महिलाओं समेत 22 को किया नामजद, तीन गिरफ्तार इस घटना के बाद स्थानीय चौकीदार के शिनाख्त करने पर वीर बहादूर यादव, मेधू यादव व तेज बहादूर यादव तीनों पिता केदार यादव, भुअर यादव उर्फ मंजी यादव व धनजी यादव पिता स्व. जयकिशुन यादव, बड़क यादव व कमलेश यादव पिता किशुन यादव, रिशु यादव व मदन यादव पिता स्व. पूर्णमासी यादव, रमेश यादव व भूटानी यादव उर्फ राजेश यादव पिता मदन यादव तथा इनकी पत्नियों के खिलाफ नामजद एफआईआ दर्ज कराया गया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तेज बहादूर यादव, रमेश यादव व मेधु यादव को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। इस संबंध में कोरानसराय थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि मठिला में वीर बहादूर यादव के घर शराब मिलने की सूचना पर पुलिस टीम छापेमारी करने गई थी। इस दौरान उसके घरवालों ने ईंट-पत्थर से हमला कर दिया। इस हमले में एक चौकीदार जख्मी हुआ है। तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। अन्य की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

सिमरी में मामूली बात पर दबंगो ने की पूरे परिवार की जमकर पिटाई

सिमरी। स्थानीय थाना क्षेत्र के मझवारी गांव में दबंगो ने मात्र रास्ते पर मिट्टी डालने से नाराज हो एक परिवार के सभी सदस्यों की पिटाई कर दी। इस दौरान परिवार की लड़की से भी मारपीट किया गया है। इस मामले में पीड़ित गोलू कुमार पिता उमेश लाल ने सिमरी थाने के अलावे बक्सर एसपी शुभम आर्य को भी आवेदन दे न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस को दिए आवेदन में पीड़ित ने मझवारी के ही राकेश कुमार उर्फ लड्डु पिता स्व. गोपाल लाल, कृष्ण कुमार पिता राकेश कुमार तथा कुछ अन्य लोगों को पर लोहे के राड से मारने तथा 15 साल की छोटी बहन हैं को आंख में लोहे के राड से मारने सभी का सर फोड़ने जैसे आरोप लगाए है। गंभीर रूप से जख्यिों को इलाज के लिए पीएचसी ले जा गया। जहां सभी की हालत गंभीर बनी हुई है। समाचार लिखे जाने तक इस मामले में आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं हुई थी। वहीं, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

खबरें फटाफट

कतिकनार में नालियों की सफाई नहीं होने से आक्रोश

केसठ। ग्राम पंचायत कतिकनार के वार्ड संख्या 10 में नालियों की सफाई पिछले छह महीनों से नहीं हो रही है, जिससे ग्रामीणों में काफी आक्रोश है। वार्ड सदस्य हसीना बानो के नेतृत्व में ग्रामवासियों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को एक लिखित आवेदन सौंपकर इस समस्या के समाधान की मांग की है। ग्रामीणों का कहना हैं कि गंदगी के कारण वार्ड में बदबू और बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। इसके बावजूद पंचायत स्तर पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि कई बार पंचायत प्रतिनिधियों को अवगत कराया गया, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। ग्रामवासियों ने बीडीओ से मांग की है कि जल्द से जल्द नालियों की सफाई कराई जाए ।साथ ही उनका कहना है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई, तो वे प्रखंड कार्यालय का घेराव करेंगे।

भाजपा ने किया संगठनात्मक बैठक

बक्सर। भारतीय जनता पार्टी के संगठन को चुस्त-दुरुस्त रखनें के उद्देश्य से बुधवार को भाजपा कार्यालय अहिरौली में जिला पदाधिकारी एवं ज़िले के सभी मंडल अध्यक्षों की एक बैठक बुलाई. जिसकी अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने की। सबसे पहले जिला पदाधिकारी की बैठक हुई। पिछले दिनों सम्पन्न सक्रिय सदस्यों का सम्मेलन कार्यक्रम का फिडबैक लिया गया। नियुक्त मंडल प्रभारियों से हर मंडल में क्या हुआ और क्या करना चाहिए, मंडल में बुथ की स्थिति, मंडल कमिटी का गठन ईत्यादि कार्यों का सूक्ष्मता से अध्ययन किया गया ताकि जो कुछ भी कमियां रह गई है उसको पुरा किया जा सके। मंडल अध्यक्षों के साथ भी जिलाध्यक्ष ने संगठनात्मक दृष्टिकोण से हर छोटी-बड़ी बातों को रखा और उस पर कार्य करनें की सलाह दी। मंडल अध्यक्षों ने भी विस चुनाव को देखते हुए छोटी सी छोटी बातों पर अमल करें।

स्कूल की मान्यता को लेकर डुमरांव विधायक ने विधानसभा में उठाया था सवाल

अधर में फंसा है पुराना भोजपुर के संत जोसफ गर्ल्स हाई स्कूल की 350 छात्राओं का भविष्य

♦ शिक्षा विभाग की लापरवाही से विद्यालय को अबतक नहीं मिल पाई है हिन्दी मीडियम से हाई स्कूल की मान्यता, अभिभावकों ने जताया आक्रोश, फिर 22 को होगी शिक्षक अभिभावक मीटिंग

♦ विद्यालय प्रबंधन द्वारा नये सत्र में सिर्फ वर्ग छह तक के छात्र-छात्रों की कक्षाएं आयोजित की जा रही है

केटी न्यूज/डुमरांव

एक तरफ केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा बेटियों को पढ़ाने के लिए कई प्रयास किए जा रहे है, जागरूकता अभियान पर करोड़ो रूपए खर्च किए जा रहे है, लेकिन शिक्षा विभाग की लापरवाही से पुराना भोजपुर स्थित संत जोसफ गर्ल्स हाई स्कूल की 350 छात्राओं का भविष्य अधर में लटका हुआ है। बता दें कि डीईओ के प्रतिवेदन पर शिक्षा विभाग ने इस विद्यालय के हाई स्कूल की मान्यता रद्द कर दी थी, लेकिन विद्यालय प्रबंधन द्वारा उन कमियों को दूर कर फिर से मान्यता के लिए आवेदन विभाग को दिया था, लेकिन विद्यालय की मान्यता को फिर से बहाल करने में शिक्षा विभाग उदासीन बन हुआ है। दूसरी तरफ विद्यालय प्रबंधन द्वारा नये सत्र में सिर्फ वर्ग छह तक के छात्रों की कक्षाएं आयोजित की जा रही है, उसके उपर के छात्राओं की कक्षाए तक शुरू नहीं की गई है। जिस कारण उनका भविष्य अधर में लटक गया है। बुधवार को विद्यालय पहुंचे अभिभावकों ने जमकर हंगामा किया। विद्यालय प्रबंधन से जल्द समस्याओं का समाधान निकालने की बात कही। अभिभावकों ने कहा कि अगर कोई कारवाई नहीं होगी तो जल्द ही हम गेट पर ताला जड़कर विद्यालय को बंद कर देंगे। दरअसल शिक्षा विभाग के अधिकारियों की जांच में यह विद्यालय मानक के अनुरूप नहीं पाया गया था जिसके बाद इस विद्यालय का निबंधन शिक्षा विभाग ने रद्द कर दिया था। हाल ही विद्यालय प्रबंधन ने अभिभावकों के साथ एक एक गोष्ठी कर इसकी जानकारी दी थी। इसके बाद से ही अभिभावकों में आक्रोश है। हालांकि, बाद में विद्यालय प्रबंधन द्वारा रद्द मान्यता को बहाल करने के प्रयास तथा इस मामले में डुमरांव विधायक द्वारा विधानसभा में उठाए गए सवाल के जबाव में शिक्षा मंत्री द्वारा दिए गए जबाव के बाद अभिभावकों में इस बात की उम्मीद जगी थी कि जल्दी ही इस विद्यालय की मान्यता फिर से बहाल हो जाएगी, लेकिन विद्यालय प्रबंधन द्वारा कक्षाएं स्थगित किए जाने से एक बार फिर से अभिभावकों का आक्रोश गहरा गया है। बुधवार को यह देखने को भी मिला। इस बार अभिभावक आर पार के मूड में नजर आए तथा विद्यालय प्रबंधन को यह चेतावनी दिए कि यदि 22 अप्रैल की होने वाली बैठक में कोई साकारात्मक जबाव नहीं मिलता है तो सभी अभिभावक मिलकर इस विद्यालय में तालाबंदी कर देंगे। अभिभावकों का कहना था कि मान्यता रद्द करने का मसला शिक्षा विभाग और विद्यालय प्रबंधन के बीच की बात है। इन नीतियों की भुक्तभोगी बच्चे क्यों बनें। इन नीतियों में अगर कुछ टकराव हुई है तो दोनों संस्थाओं को इसका हल बिना बच्चों को सम्मिलित किए हुए निकालना चाहिए। अभिभाव विद्यालय प्रबंधन के इस बात पर भी नाराज दिखे जिसमें विद्यालय प्रबंधन द्वारा बताया अभिभावकों से यह कहा गया कि आप अपने बच्चियों का नामांकन हिन्दी के बजाए अंग्रेजी मीडियम में कराए। इस संबंध में डीपीओ सह डुमरांव बीईओ रजनीश उपाध्याय ने बताया कि इस मामले में विशेष जानकारी जिला शिक्षा कार्यालय से मिल सकेगी। डीईओ को फोन किया गया, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। विभाग के इस दांव पेंच का शिकार विद्यालय में पढ़ने वाली 350 बच्चियां झेल रही है, जो घर पर बैठकर विद्यालय खुलने का इंतजार कर रही है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के मानकों पर खरा नहीं उतरा था विद्यालय : बता दें कि शिक्षा विभाग द्वारा इस विद्यालय के मान्यता को रद्द करने के कई कारण दिए गए थे। 6 नवंबर 2023 को पत्रांक 5848/23 के माध्यम से जारी आदेश में बताया गया था कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बिहार बोर्ड से संबद्धता चाहने वाले या फिर पहले से संबद्ध गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों का निरीक्षण किया जाएगा। इसी आदेश के उपरांत संत जोसेफ स्कूल का निरीक्षण किया गया जहां विभागीय जांच अधिकारी द्वारा कई कमियां बताई गई। इसमें मानक के अनुरूप शिक्षकों का उपलब्ध न होना, प्रयोगशाला कक्ष न होना, पुस्तकालय कक्ष न होना, नगर परिषद से स्वास्थ्य एवं स्वच्छता प्रमाण पत्र, विद्युतीकरण, अग्नि सुरक्षा प्रमाण पत्र और चिकित्सा व स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध न होने का हवाला दिया गया। मान्यता रद्द हुई तो अभिभावकों के हंगामे के साथ ही विधानसभा में भी स्थानीय विधायक ने इस मुद्दे को उठाया। इस दौरान शिक्षा मंत्री से जवाब मिला कि पुनः मान्यता प्राप्त करने हेतु आवेदन मिला है। यह प्रक्रिया विचाराधीन है। अब कबतक विचाराधीन रहेगी इसकी जानकारी शिक्षा विभाग के किसी ऑफिसर के पास नहीं है। ऐसे में इन 350 छात्राओं के भविष्य के विषय में कोई नहीं सोच रहा है। इधर विद्यालय प्रबंधन कक्षा केजी से लेकर छह तक के छात्र-छात्राओं की पढ़ाई अंग्रेजी माध्यम से शुरू कर चुका है। सातवीं से दसवीं तक कि छात्राएं घर बैठी हुई है। अभिभावकों ने बताया कि आगामी 22 तारीख को एक बार फिर विद्यालय प्रबंधन और अभिभावकों के बीच इन समस्याओं को लेकर मीटिंग होनी है। इस बार हल नहीं निकला तो आर पार की लड़ाई होगी और विद्यालय के गेट पर हमलोग ताला जड़ेंगे।

होमियोपैथिक चिकित्सक संघ ने मनायी हैनिमैन की जयंती

केटी न्यूज/डुमरांव

बिहार राज्य होमियोपैथिक संघ की तरफ से नगर के हरिजी हाता स्थित एक रसर्च सेंटर के सभागार में होमियोपैथी के जन्मदाता फ्रैडरिक सैमुअल हैनिमैन का 270 वां समारोह की अध्यक्षता बक्सर से आए डॉ. एस के ओझा ने की तथा संचालन डॉ बीएल प्रवीण ने किया। बतौर मुख्य अतिथि सेवा निवृत्त

अंग्रेजी के प्रोफेसर कामता प्रसाद लाल ने होमियोपैथिक चिकित्सकों के जन्मदाता की जयंती पर बुलाए जाने पर आभार व्यक्त किया। अपने संबोधन में उन्होंने बताया कि लगभग दस वर्षों से उन्होंने किसी भी रोग के लिए अंग्रेजी औषधियों का परित्याग कर दिया है। अपने अनुभवों को साझा करते हुए उन्होंने बताया कि होमियोपैथिक औषधियों का जब भी सेवन किया, चंद खुराक में ही जादू की तरह काम करता था, जबकि अंग्रेजी में ऐसा नहीं दिखता। आगे उन्होंने कहा कि आने वाले समय में लोगों का अंग्रेजी से मोह भंग हो जाएगा।

शुभ लग्न को लेकर बैंड-बाजा से लेकर हलवाई, वाहन, पंडाल सहित अन्य का कारोबार मे तेजी

लग्न शुरू: गूंजने लगी शहनाई, बाजारों में बढ़ी रौनक

केटी न्यूज, डुमरांव।

14 अप्रैल को सूर्य के राशि परिवर्तन के बाद खरमास समाप्त हो गया। इसके साथ ही शादी-विवाह का मुहूत एक बार फिर शुरू हो गया। 12 जून को गुरु के अस्त होने के बाद चार माह के लिए फिर से मांगलिक कार्यों पर विराम लग जाएगा। 14 मार्च से खरमास शुरू होने के बाद से मांगलिक कार्यों कार्यों पर पूरी तरह से विराम लग गया था। ऐसे में विवाह, मुंडन, कर्णछेदन आदि संस्कारों के मुहूर्त नहीं थे। लेकिन अब 14 अप्रैल की सुबह में सूर्य मीन राशि से मेष राशि में प्रवेश कर गए और इसी के साथ खरमास समाप्त हो गया। अप्रैल माह में विवाह के लिए अभी 10 और मई माह में 12 शुभ मुहूर्त हैं, जबकि जून में 07 शुभ मुहूर्त रहेंगे। 12 जून से छह जुलाई तक गुरु अस्त हो रहे हैं। इसके बाद छह जुलाई को देवशयनी एकादशी के चलते चातुर्मास आरंभ हो जाएगा। एक नवंबर को हरि प्रबोधिनी एकादशी से दोबारा शादी, विवाह, मुंडन, कर्णछेदन आदि मांगलिक कार्यों की शुरूआत होगी। मांगलिक कार्यों की शुरूआत होने के दिन नजदीक आने के साथ ही बाजार में भी रौनक बढ़ गई है। होटल, बैंक्वेट हॉल, कैटरर्स, ब्यूटी पार्लरों की बुकिंग

पहले ही हो चुकी है। आभूषण, कपड़े, सहित अन्य सामान की खरीदारी लग्न वाले घरों में शुरू हो गई है। बुधवार को कपड़ा, वाहन, सरार्फा, बर्तन बाजार में काफी चहल-पहल बढ़ गई है। दुकानदार भी मांगलिक कार्यों के शुरू होने को लेकर पूरी तरह से तैयार हैं। इन मांगलिक दिनों के कारण बाजार काफी चहक उठा है। किराना दुकान से लेकर सोने-चांदी की दुकानों की चमक बढ़ गई है। थोक किराना मंडी से लेकर फूल मंडी में भी तेजी दिखने लगी है। कपड़े और श्रृंगार आदि की दुकानों में भी जबरदस्त भीड़ उमड़ रही है।

लग्न संबंधी काम के कारीगरों की बढ़ी मांग: कपड़े बनाने से लेकर जेवर आदि बनाने वाले कारीगरों की मांग बढ़ गयी है। शादी-विवाह के लिए शुभ लग्न होने के कारण सभी लोग और भी अधिक व्यस्त हैं। इस कारण कारीगर दिन-रात काम में भिड़ गए हैं। सरार्फा दुकानों पर सोने-चांदी के जेवर लेकर डिलेवरी के लिए विभिन्न बाहरी एजेंट भी शहर के अलावा ग्रामीण दुकानों तक पहुंच रहे हैं। किराना की थोक मंडी राजगोला में भी भीड़-भाड़ बढ़ गयी है। छोटे-बड़े कारोबारी सामान खरीदने के लिए मंडी में आ रहे हैं। लग्न के साथ ही इन दिनों थोक और खुदरा दुकानदारों के साथ ग्राहकों की आवाजाही तेज हो गयी है।

बैंड-बाजा व बारात की मची हुई है धूम: लग्न शुरू होते ही शादी-विवाह सहित अन्य शुभ काम पर लगा ब्रेक अब हट गया है। शुभ लग्न को लेकर बैंड-बाजा से लेकर हलवाई, वाहन, पंडाल सहित अन्य का कारोबार मे तेजी आ गई है। जबकि अगले महीने की बुकिंग को लेकर भी भाग-दौड़ शुरू है। कई वर पक्ष के लोग बैंड-बाजा, वाहन, हलवाई की बुकिंग के लिए अपने पहचान वाले लोगों के दरवाजे पर दौड़ लगा रहे हैं। लोगों का कहना है कि अपने नजदीकी बाजारों के हलवाई, वाहन, पंडाल सजाने वाले कारीगर बहुत अधिक डिमांड कर रहे हैं, ऐसे में उनके परिचितों का लाभ रेट कम कराने में मिल जा रहा है। बाजारों में लग्न की बिक्री जारी रहने पर दुकानदारों के चेहरे पर रौनक दिख रही है।

आक्रोशितों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का किया पुतला दहन

नेशनल हेराल्ड केस में चार्जशीट के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

♦ नेताओं ने कहा... मोदी सरकार विपक्षी आवाजों को दबाने के लिए कर रही है सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग

केटी न्यूज/आरा

नेशनल हेराल्ड एंड एसोसिएटेड जनरल लिमिटेड से केस जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने पहली चार्जशीट दाखिल करने के बाद अब कांग्रेसियों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। बुधवार को कांग्रेसियों ने आरा शहीद भवन मोड़ के पास देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया। इस दौरान कांग्रेस के कार्यकताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी के साथ मुदार्बाद के नारे लगाए। पुतला दहन कार्यक्रम के दौरान भोजपुर जिले कई वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद थे ।

कांग्रेस के नेतृत्व को बदनाम करने की साजिश : कांग्रेस नेता श्रीधर तिवारी ने बताया 2014 से जब देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार आई है तब से आए दिन सिर्फ कांग्रेस के नेतृत्व को बदनाम करने के लिए सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग करके जितने भी विरोधी दल के नेता है उनपर फर्जी जांच, फर्जी मुकदमा दर्ज कर झूठा फंसाया जा रहा है। नेशनल हेराल्ड के झूठे मुकदमे में सोनिया गांधी एवं देश के गरीब गुरबों की आवाज राहुल गांधी पर फर्जी मुकदमा दायर कराकर फंसाने का काम किया जा रहा है। साथ ही नेशनल हेराल्ड की संपत्ति को जब्त करने का काम किया गया है।आज पूरे देश में सरकार का विरोध कांग्रेसियों द्वारा किया जा रहा है। हमारी मांग है कि आए दिन लोक तंत्र की हत्या सरकार के द्वारा की जा रही ही उसे तत्काल बंद कीजिए,देश की जनता सब जान चुकी है। कांग्रेस का इतिहास आजादी के पहले और आजादी के बाद किसी का योगदान है वो सिर्फ गांधी परिवार एवं कांग्रेसियों का है।वहीं वरिष्ठ नेता त्रिवेणी प्रसाद ने कहा कि भारत के आजादी के बाद देश का दुर्भाग्य है। स्वतंत्र पत्रकारिता के लिए कांग्रेस पार्टी ने नेशनल हेराल्ड के माध्यम से अपना संदेश पूरे भारतवर्ष में पहुंचने का काम करता था।

पीरो में शिविर को ले विकास मित्रों के साथ बुलायी बैठक

पीरो। एसडीओ अनिल कुमार ने शहीद भवन पीरो में गुरूवार को पीरो, चरपोखरी और तरारी के विकास मित्रों की बैठक बुलायी है। बैठक में सरकार की ओर से संचालित 22 योजनाओं के सफलतम क्रियान्वयन पर रणनीति बनायी जायेगी। मालूम हो कि डॉ भीमराव आंबेडकर अनुसूचित जाति-जनजाति टोला समग्र सेवा अभियान के तहत 19 अप्रैल से प्रत्येक महादलित बस्ती में शिविर का आयोजन किया जाना है। शिविर से पहले विकास मित्रों को सर्वे की जिम्मेवारी सौंपी जायेगी। सरकार की योजनाओं से वंचित महादलित परिवारों का आकलन किया जायेगा और 19 अप्रैल से लगने वाले शिविर पर विस्तारपूर्वक चर्चा होगी। इसमें यह निर्देश दिया गया कि अधिक से अधिक लाभुक इस शिविर में हिस्सा लें सके। उन्हें जानकारी दी जा सके।

तीन दिन से लापता युवक का शव बरामद, जांच में जुटी भोजपुर पुलिस

♦ कोईलवर थाना क्षेत्र के धनडीहा गांव स्थित खेत में शीशम के पेड़ के नीचे से बुधवार की सुबह बरामद हुआ शव

केटी न्यूज/आरा

जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र के कुल्हड़िया गांव से तीन दिन से लापता युवक का शव बरामद हुआ है। उसका शव थाना क्षेत्र के धनडीहा गांव स्थित खेत में शीशम के पेड़ के नीचे से बुधवार की सुबह बरामद हुआ है। मृतक के शरीर पर किसी प्रकार का बहरी जख्म का निशान नहीं पाया गया है पर पूरे शरीर में कीड़ा हुआ था। जानकारी के अनुसार मृतक कोईलवर थाना क्षेत्र के कुल्हड़िया गांव निवासी जितेंद्र कुमार सिंह का 33 वर्षीय पुत्र विनोद कुमार सिंह है। इधर मृतक के चचेरे चाचा अशोक सिंह ने बताया कि रविवार की सुबह वह घर से बाइक पर सवार होकर अपनी मां से यह बोल कर निकाला था कि मैं दाढ़ी व बाल बनाकर बाजार से आ रहा हूं। लेकिन देर शाम तक वह घर वापस नहीं लौटा। जिसके बाद परिजनों ने गांव एवं आसपास के गांव में भी उसकी काफी खोजबीन की। लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल पाया। इसके बाद परीजन द्वारा अपने रिश्तेदारों एवं उसके दोस्तों के घर भी फोन कर पूछताछ की पर सजे बाद भी उसका कुछ पता नहीं चल पाया था। जिसके मृतक के बड़े भाई अखिलेश सिंह द्वारा मंगलवार की शाम कोईलवर थाना में उसके लापता होने का प्राथमिकी दर्ज कराया गया था। जिसके बाद पुलिस ने उसकी खोजबीन शुरू कर दी थी। इसी बीच बुधवार की सुबह धनडीहा गांव स्थित खेत में शीशम के पेड़ के नीचे उसका शव बरामद हुआ। जिसके बाद पुलिस ने इसकी सूचना उसके परिजनों को दी।

आरा में वाहन चोर गिरोह के 4 सदस्य गिरफ्तार, चोरी की पांच बाइक बरामद

♦ चोरी के वाहन का करते थे अवैध कामों के लिए इस्तेमाल

केटी न्यूज/सासाराम

भोजपुर पुलिस ने दुपहिया वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश करते हुए गैंग से जुड़े चार सदस्य को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा चोरी की पांच बाइक भी बरामद की गई है। सदर एएसपी परिचय कुमार ने दी है। उन्होंने बताया कि इस मामले में संदेश थाना क्षेत्र के अहरपुरा गांव निवासी सन्नी कुमार राम, मिथुन कुमार यादव, नारायणपुर थाना के कमल टोला निवासी मंटू कुमार यादव एवं सहार के बरूही गांव निवासी सुकेश कुमार सिंह को गिरफ्तार किया गया है। गैंग के सदस्यों की गिरफ्तारी से भोजपुर जिले के तीन और अरवल जिले से जुड़े बाइक चोरी के एक मामले का खुलासा हुआ है। गैंग से जुड़े अन्य सदस्यों की तलाश जारी है। बरामद गाड़ियों में चार स्पलेंडर एवं एक अपाचे बाइक शामिल है। जिसमें मिथुन बाइक चोरी करने वाले गैंग के मुख्य मास्टर माइंड रहा है। उस पर पहले से भी बाइक चोरी का केस है। तीन अन्य का पूर्व का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। बाइक चुराने से लेकर बिक्री करने में अलग-अलग सदस्य संलिप्त थे। चोरी की बाइक का इस्तेमाल शराब तस्करी समेत गैर कानूनी कार्यों में करते थे। टीम में संदेश थानाध्यक्ष संतोष कुमार समेत डीआइयू के पदाधिकारी शामिल थे। बरामद बाइक में दो बाइक आरा शहर के टाउन एवं नवादा क्षेत्र से चुराई गई थी। इसके अलावा एक बाइक मुफस्सिल थाना क्षेत्र एवं एक अन्य बाइक अरवल जिले से चुराई गई थी। पूछताछ में संलिप्तता भी स्वीकार किया है पुलिस ने सबसे संदेश थाना क्षेत्र के अहरपुरा गांव निवासी सन्नी कुमार को धर दबोचा। बाद में अन्य की गिरफ्तारी हुई।

आंगनबाड़ी सेविकाओं ने जताया विरोध

शाहपुर। सेविकाओं ने एफआरएस के तहत मोबाइल से टीएचआर (पोषाहार) वितरण करने का आंगनबाड़ी सेविका संघ के अध्यक्ष गीता पांडेय के नेतृत्व में बुधवार को विरोध जताया गया। बाद में कार्यालय कर्मी को ज्ञापन सौंपा। उनका कहना है कि पहले के दिये गये मोबाइल खराब हैं। इस कारण मोबाइल से वितरण करने में परेशानी होगी। हम सभी सेविकाओं को एफआरएस से कोई आपत्ति नहीं है, परंतु तकनीकी संसाधन के मुहैया कराने के अलावा सेविकाओं को प्रशिक्षण नहीं दिया गया है। खराब मोबाइल को कार्यालय में जमा कर रिसिविंग दिया जाए। तब तक पहले की तरह टीएचआर वितरित कराने का निर्देश दिया जाए। जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होगी। वह पीछे हटने वाली नहीं है। विरोध जताने में प्रतिमा देवी, सीमा देवी, किरण देवी, रिंकू देवी, समुद्री देवी, संजू देवी, मुन्नी देवी सहित अन्य सेविकाएं प्रमुख रूप से थीं।

भोजपुर जिले में सरकारी जमीन की फर्जी जमाबंदी का मामला आया सामने

सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों पर डीएम करें सख्त कार्रवाई : केके पाठक

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले में सरकारी जमीन की फर्जी जमाबंदी का मामला सामने आया है। राजस्व पर्षद बिहार के अध्यक्ष के.के. पाठक ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। इसके बाद राजस्व विभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी है। के.के. पाठक ने डीएम को दोषी लोगों पर कार्रवाई करने का आदेश दिया था। प्रशासन ने तेजी दिखाते हुए एडीएम न्यायालय में केस दर्ज कर लिया है। 228 लोगों को नोटिस जारी किया गया है। इन सभी पर सरकारी जमीन को अवैध रूप से अपने नाम पर दर्ज कराने का आरोप है। सुनवाई के बाद इन सभी की जमाबंदी रद्द की जा सकती है। केके पाठक ने दोषियों को चिह्नित करते हुए कार्रवाई करने का आदेश जारी किया है। केके पाठक ने पिछले दिनों जिला मुख्यालय का दौरा किया था। उन्होंने डीएम को इस मामले में कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि दोषियों को चिह्नित कर उन पर कार्रवाई की जाए। उनके इस आदेश के बाद प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया। उनके जाने के कुछ ही दिनों बाद प्रशासन हरकत में आ गया। एडीएम ने अपने न्यायालय में केस स्वीकार कर लिया। इसके बाद 228 लोगों को नोटिस जारी करने का आदेश दिया गया। इस सप्ताह सभी को नोटिस भेज दिए जाएंगे। अगले सप्ताह से इस मामले की सुनवाई शुरू हो जाएगी। सुनवाई के दौरान सभी 228 रैयतों से जमीन के कागजात मांगे जाएंगे। उनसे पूछा जाएगा कि उनके पास जमीन के मालिकाना हक के क्या सबूत हैं। अगर वे सही कागजात नहीं दिखा पाते हैं, तो एडीएम उनकी फर्जी जमाबंदी रद्द कर देंगे। जमाबंदी रद्द होने के बाद स्थानीय प्रशासन इन जमीनों से अतिक्रमण हटाएगा। जिन लोगों के नाम से जमाबंदी रद्द होगी, उन्हें जमीन खाली करनी होगी। राजस्व पर्षद के अध्यक्ष ने तत्कालीन अधिकारियों और दोषी कर्मचारियों पर भी जांच कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। जमाबंदी रद्द होने के बाद दोषी लोगों पर कार्रवाई शुरू हो जाएगी। यह पूरा मामला बड़हरा प्रखंड क्षेत्र के सिन्हा मौजा का है। यहां लगभग 349 एकड़ गंगा नदी, काली मंदिर और अन्य प्रकार की सरकारी जमीन की जमाबंदी अवैध तरीके से 228 लोगों के नाम पर कर दी गई। यह मामला 50 साल पहले 1975-76 का है।

सुभाषितम्

कष्ट ही तो वह प्रेरक शक्ति है जो मनुष्य को कसौटी पर परखती है और आगे बढ़ाती है। - वीर सावरकर

मोदी राज में एनडीए के भीतर पहली बार बगावती स्वर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार केंद्र की सत्ता में लौटे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की छवि इस बार पहले जैसी ताकतवर नहीं रही। पहले दो कार्यकाल में भारतीय जनता पार्टी स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में थी। इस बार उसे सरकार बनाने के लिए सहयोगी दलों के ऊपर निर्भर रहना पड़ रहा है। यह गठबंधन के राजनीति की मजबूरी है। पिछले 11 साल में पहली बार मोदी-शाह की जोड़ी को सहयोगी दलों के बगावती तेवरों का सामना करना पड़ रहा है। बिहार और गुजरात में इसकी शुरूआत हो चुकी है। बिहार में पारस पासवान और मांझी ने बगावत का बिगुल बजा दिया है। वह इंडिया गठबंधन में शामिल हो गए हैं उनके भतीजे चिराग पासवान एनडीए के साथ हैं वक्फ बिल और दलित को लेकर जो नई राजनीतिक स्थिति जमीन पर देखने को मिल रही है। उसके बाद चाचा पारस ने एनडीए से पाला झाड़कर, इंडिया गठबंधन का पल्ला पकड़ लिया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी और शाह के गृह प्रदेश गुजरात में भी सेंध लगा दी है। भाजपा के पूर्व विधायक एवं महामंत्री महेश वसावा ने कांग्रेस का पल्ला गुजरात में थाम लिया है। राहुल गांधी बुधवार को गुजरात गए। वहां पर उन्होंने भाजपा के लिए नई चुनौती खड़ी कर दी है। आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू की तेलगु देशम पार्टी हो या नीतीश कुमार की जनता दल (यू), दोनों ही पार्टियाँ अब गठबंधन में अपने वजूद और हिस्सेदारी को लेकर जरूरत से ज्यादा मुखर हैं। मंत्रिमंडल में उचित प्रतिनिधित्व, राज्यों की विशेष मांगें और नीति-निर्माण में अहमियत देने की माँग अब केवल दबे स्वर मे नहीं, बल्कि सार्वजनिक मंचों से एनडीए गठबंधन के सहयोगी दल उठाने लगे हैं। यह स्थिति दशार्ती है, भाजपा का पहले जैसा एकछत्र राज नहीं रहा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार की पार्टी जनता दल यू में भाजपा ने जिस तरह से सेंध लगाई है उससे बिहार में जनता दल का अस्तित्व समाप्त होने जा रहा है। उड़ीसा वाला खेल भाजपा द्वारा बिहार में खेला जा रहा है। इसकी जबरदस्त प्रतिक्रिया सहयोगी दलों में देखने को मिल रही है। एनडीए गठबंधन के सहयोगी दलों में डर एवं भय देखने को मिल रहा है। सहयोगी दल अब सत्ता में ज्यादा से ज्यादा हिस्सेदारी के दावेदारी कर रहे हैं। एनडीए गठबंधन के भीतर असहमति के सुर खुलकर सामने आने लगे हैं। सहयोगी दलों में अब मोदी-शाह और ईडी, सीबीआई का भी डर नहीं रहा। सहयोगी दल अधिकारों की बात कर रहे हैं। सहयोगी दल अब वन नेशन, वन पॉलिसी जैसी नीतियों पर केंद्र सरकार से पुनर्विचार करने का दबाव बना रहे हैं। वक्फ बिल को लेकर भी देश के कई राज्यों में स्थितियां बड़ी तेजी के साथ बदली हैं जिसके कारण छोटे क्षेत्रीय दलों के अस्तित्व पर संकट खड़ा होता हुआ दिख रहा है। इस घटनाक्रम का एक सकारात्मक पक्ष भी है। लोकतंत्र की स्वस्थ प्रक्रिया के लिए यह दबाव जरूरी है। भाजपा और केंद्र सरकार में अभी जो एकाधिकार है। सहयोगी दल उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। एनडीए में शामिल सभी सहयोगी दल अपनी बात खुलकर सामने रख रहे हैं। अगर इनकी अनदेखी की गई, तो यह बगावत का कारण बन सकता है। जो केंद्र सरकार की स्थिरता को प्रभावित कर सकती है। भाजपा को बदली हुई परिस्थितियों में गठबंधन धर्म का पालन करते हुए संवाद की नीति सहयोगी दलों के साथ अपनाना होगी। केंद्र सरकार और भाजपा को सभी साझेदारों को सम्मान और उनकी मांग को प्राथमिकता देना होगी।तभी मजबूत गठबंधन कायम रह पाएगा। जिस तरह की चुनौती वर्तमान में केंद्र सरकार को मिल रही है।उसमे बढता आर्थिक संकट ,महंगाई, बेरोजगारी, सामाजिक एवं राजनीतिक समीकरण बड़ी तेजी के साथ देश मे बदल रहे हैं। सहयोगी दलों के बगावती स्वर केवल असहमति नहीं,बल्कि भाजपा के लिए एक चेतावनी भी हैं। लोकतंत्र में सत्ता साझा करना स्थायित्व की कुंजी है। सहयोगी दलों को ऐसा लगता है आगे चुनाव जीतना या चुनौतियों का मुकाबला भाजपा के लिए मुश्किल होगा। ऐसी स्थिति में सहयोगी दल अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए पाला बदलने में देर नहीं करेंगे अभी तक गठबंधन का यही हश्र देखने को मिला है। समय रहते हुए मोदी-शाह की जोड़ी को इस दिशा में ध्यान देने की जरूरत है। मोदी-शाह की पकड़ शनैः शनैः कमजोर होती जा रही है।

चिंतन-मनन

भगवान शिव हैं महायोगी

भगवान शिव की जिंदगी के हर पहलू से कुछ न कुछ सीखा जा सकता है लेकिन यहां हम कुछ उनसे जुड़ी कुछ ऐसी बातों का जिक्र कर रहे हैं। जिन्हें, कोई व्यक्ति अपनी जिंदगी में आत्मसात करते है तो उसे सफल होने से कोई नहीं रोक सकता है।रखें आत्म नियंत्रण : भगवान शिव शांत भी रहते हैं और विनाशकारी भी, लेकिन वह अपने ऊपर पूरा आत्मनियंत्रण रखते हैं। यदि कोई मनुष्य उनकी इस बात को आत्मसात करे तो जीवन में काफी आगे तक जा सकता है। शांत रहें और अपना कार्य करते रहें : शिव को महायोगी कहा जाता है। वह घंटों और युगों तक ध्यान अवस्था में रहते हैं। और ध्यान में मानव कल्याण के लिए कार्य करते हैं। यदि कोई मनुष्य उनकी इसी सीख से शांत रहकर अपने कार्य को करते रहें तो सफल होने से कोई नहीं रोक सकता है। ध्यान रखें भौतिक सुख लंबे समय का साथी नहीं : शिव का स्वरूप भभूतधारी है। वह बाघ की खाल पहने हुए हैं। उनके हाथों में त्रिशूल है। वह भौतिक वस्तुओं से दूर रहते हैं। यदि कोई मनुष्य भौतिक जीवन की लालसा को त्याग कर अपने कर्म पर ध्यान दे तो वो न केवल सफल होगा बल्कि उसकी प्रशंसा चारो तरफ की जाती है। नकारात्मकता से रहें दूर : भगवान शिव ने दुनिया बचाने के लिए समुद्र मंथन से निकले जहर को अपने कंठ में सुशोभित किया। इससे तमाम तरह की नकारात्मकता का अंत हुआ और दुनिया का सर्वनाश होने से बच गया।

नये वक्फ कानून से दिक्कत किसे है

- राधा रमण

राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद 8 अप्रैल को देशभर में वक्फ संशोधन कानून 2025 लागू हो गया है। केंद्र सरकार ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। यह अधिसूचना भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दी गई है। वक्फ संशोधन विधेयक को पिछले सप्ताह संसद के दोनों सदनों से मंजूरी मिल गई थी। हालांकि इस कानून को कई मुस्लिम संगठनों और राजनेताओं ने अल्पसंख्यक हितों के खिलाफ बताते हुए कोर्ट में चुनौती दी है। देश के अलग-अलग भागों में इस कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। खासकर कांग्रेस समेत देश के विपक्षी दल इसके विरोध को हवा दे रहे हैं। इस कानून के विरोध में याचिका दाखिल करनेवालों में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड, ऑल इंडिया मजलिस-ए इत्तेहादुल मुसलमीन के अध्यक्ष सांसद असदुद्दीन ओवैसी, कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी, तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा, राष्ट्रीय जनता दल के सांसद मनोज झा और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के प्रतिनिधि समेत 12 लोग शामिल हैं। उधर, केंद्र सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल कर मांग की है कि मामले की सुनवाई की पूर्व सूचना उसे भी दी जाए ताकि समय रहते वह भी अपना पक्ष रख सके। इस बीच, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने देशभर में ह्यवक्फ बचाव अभियानह्ण शुरू कर दिया है। इसके तहत एक करोड़ लोगों का हस्ताक्षर कराकर प्रधानमंत्री को सौंपा जाएगा। यह अभियान 7 जुलाई तक चलेगा।

ऐसे में यह जानना जरूरी हो जाता है कि आखिर इस कानून में क्या है जिससे मुस्लिम संगठनों और विपक्षी दलों का इस्लाम खतरे में आ गया है।

दरअसल, विपक्ष और नये वक्फ कानून का विरोध करनेवालों का कहना है कि सारा विवाद वक्फ बोर्ड की सम्पत्तियों पर कब्जे को लेकर है। देशभर में वक्फ बोर्डों के पास 9.4 लाख एकड़ की जमीन है। इससे ज्यादा भूमि का स्वामित्व रेलवे और सशस्त्र बलों के पास है। वक्फ बोर्डों के पास यह सम्पत्तियां मुसलमानों द्वारा दान की गई हैं, जिन पर दरगाह, मस्जिद, कब्रिस्तान, मदरसा, दुकान आदि स्थापित हैं। इसके अलावा बहुतेरी कृषि भूमि भी है। इसकी देखरेख के लिए देश के हर राज्य में वक्फ बोर्ड गठित किया गया है। समय-समय पर इन वक्फ बोर्डों पर आर्थिक घपले के आरोप लगाये जाते रहे हैं लेकिन चूंकि वक्फ मामलों की सुनवाई सरिया कानून के तहत होने, वक्फ के फैसले को चुनौती नहीं दी जा सकने और सार्वजनिक अदालतों में नहीं होने के कारण कोई भी आरोप साबित नहीं हो पाए हैं। उधर वक्फ बोर्डों के पदाधिकारी मालामाल होते रहे हैं।

नये वक्फ कानून से आम मुसलमानों को कोई कठिनाई नहीं आएगी। वैसे भी वक्फ ने अपनी आमदनी का उपयोग किसी गरीब मुसलमान की पढ़ाई-लिखाई अथवा उसका जीवनस्तर सुधारने के लिए किया हो इसका उदाहरण नहीं मिलता। काश, अगर वक्फ बोर्ड मुसलमानों की दशा-दिशा सुधारने की कोई पहल करता होता तो आज हालात कुछ और होते। हां, वक्फ बोर्डों पर काबिज लोग जीवनभर ऐशोआराम का जीवन जरूर जीते रहे।

संसद में वक्फ बिल पर चर्चा का जवाब देते हुए अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री किरेन रिजजू ने बताया कि वक्फ बोर्डों के पास लाखों करोड़ की सम्पत्ति होने के बावजूद इसका इस्तेमाल गरीब मुसलमानों के पक्ष में नहीं होने के कारण अराजकता की स्थिति थी। हम बिल नहीं लाते तो वह संसद भवन पर भी दावा कर सकते थे। गृह मंत्री अमित शाह कहते हैं कि नये बिल से अब वक्फ के आदेश को अदालत में चुनौती दी जा सकेगी। पहले वक्फ का फैसला ही अंतिम होता था। यह गलत धारणा है कि नया वक्फ कानून मुसलमानों के धार्मिक आचरण, उनके द्वारा दान की गई सम्पत्ति में हस्तक्षेप करेगा। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान भी कहते हैं कि देशभर में वक्फ का दुरुपयोग करना एक बीमारी बन गई है। इसे रोकने में नया कानून कारगर होगा। आरिफ साहब कहते हैं कि गरीबों, कमजोरों और जरूरतमंदों पर अपनी आमदनी में से खर्च करने की बात कुरआन में भी लिखी गई है। लेकिन वक्फ यह सब कहां करता था। वक्फ के जरिये न तो कोई अस्पताल चलता है न ही बढ़िया स्कूल-कालेज। इसके जिम्मेदारों ने वक्फ को हमेशा अपने फायदे के लिए इस्तेमाल किया है। इसलिए वक्फ की जमीन पर धर्मार्थ काम करने की जरूरत है।

उधर, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी कहते हैं कि यह कानून मुसलमानों की सम्पत्ति हड़पने के लिए बनाया गया है। यह भारत के मूल विचारों पर हमला है। कांग्रेस इसका विरोध करेगी। ऑल इंडिया मजलिस-ए इत्तेहादुल मुसलमीन के अध्यक्ष सांसद असदुद्दीन ओवैसी का कहना है कि भाजपा मस्जिद-मन्दिर में टकराव बढ़ाकर देश को अस्थिरता में धकेलना चाहती है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कहती हैं कि वह पश्चिम बंगाल में कानून को लागू नहीं होने देंगी। मुंगेरीलाल की तरह हसीन सपने देखते हुए बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव कहते हैं कि अगर बिहार में उनकी सरकार बनती है तो वह इस कानून को लागू नहीं होने देंगे। सपा-बसपा के नेता भी कुछ इसी तरह की बात कहते हैं।

मुझे कहने दीजिए कि विपक्ष के नेता वक्फ कानून का विरोध कर सिर्फ और सिर्फ मुसलमानों के हमदर्द बनने का दिखावा कर रहे हैं। ये वही लोग हैं जिन्होंने संविधान के अनुच्छेद 370 हटाने का विरोध किया था। ये वही लोग हैं जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लगाए टैरिफ पर चुप रहते हैं। ये वही लोग हैं जो महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्या आदि पर सड़क पर निकल कर विरोध करना भूल गए हैं। ये वही लोग हैं जो समाज में जातीयता का जहर घोलने पर आमादा हैं। ये वही लोग हैं जो जाने-अनजाने भाजपा की बनाई बिसात पर चौसर खेलने को अभिशप्त हैं।

दरअसल, भाजपा तो शुरू से चाहती है कि देश का जनमत हिन्दू-मुस्लिम में विभाजित हो जाए ताकि उसे आसानी से बहुमत मिलता रहे। सवाल नये वक्फ कानून पर नहीं, बल्कि कानून बनाने के समय पर होना चाहिए। 2014 और 2019 में जब भाजपा को संसद में पूर्ण बहुमत था। उस समय भाजपा चाहती तो यह कानून आसानी से बनाया जा सकता था। लेकिन तब भाजपा ने ऐसा नहीं किया। अब जबकि लोकसभा में भाजपा के महज 240 सांसद हैं तब यह कानून बनाकर भाजपा ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के मुखिया चिराग पासवान, राष्ट्रीय लोकदल के जयंत चौधरी, हिन्दुस्तान अवाम मोर्चा के जीतनराम मांझी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अजित पवार सरीखे अपने सहयोगी दलों के नेताओं की मुस्लिम परस्ती को खुलेआम चुनौती दे दिया है। साथ ही यह संदेश भी कि ह्य वृंदावन में रहना है तो राधे-राधे कहना होगा। बिहार में इसी साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होनेवाले हैं। इसका सर्वाधिक नुकसान नीतीश की पार्टी जनता दल (यू), चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (रामविलास) और जीतनराम मांझी की पार्टी हिन्दुस्तान अवाम मोर्चा को होगा। भाजपा ने अपने चक्रव्यूह में इन्हें घेर लिया है और निकलने का इनके पास कोई रास्ता नहीं सूझ रहा है। वक्फ बिल पर संसद में जनता दल के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीवरंजन सिंह उर्फ ललन सिंह की दलील सुनकर जदयू में भगदड़ की स्थिति बन गई और उसके दर्जनभर से अधिक नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है।

अराजकता में डूबे बंगाल में नाउम्मीदी का अंधेरा

- ललित गर्ग

बंगाल में वक्फ कानून को लेकर हिंसा का सिलसिला जिस तरह तेज और सांप्रदायिक होता जा रहा है, जिस तरह से हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है, उन्हें मुर्शिदाबाद से पलायन को विवश किया जा रहा है, वह मुस्लिम तुष्टीकरण और दुष्प्रचार की खतरनाक राजनीति का प्रतिफल तो है ही, वह कुशासन एवं अराजकता की भी चरम पराकाष्ठा भी है। नए वक्फ कानून को लेकर कुछ राजनीतिक दल मुस्लिम समाज को विशेषतः किशोर बच्चों को हिंसा एवं तोड़फोड के लिये जानबूझकर सड़कों पर उतारने में लगे हुए हैं। वे उन्हें अराजकता एवं उन्माद के लिए उकसा भी रहे हैं और तरह-तरह से प्रोत्साहन दे रहे हैं। अराजकता फैलाने वाले किस तरह बेखौफ हैं, इसकी पुष्टि इससे होती है कि वे सरकारी-गैरसरकारी वाहनों को तोड़ने, जलाने के साथ पुलिस पर भी हमले कर रहे हैं। बंगाल के विभिन्न जिलों में वक्फ कानून के विरोध के बहाने फैलाई जा रही अराजकता इसलिए भी थमने का नाम नहीं ले रही हैं, क्योंकि खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस कानून के खिलाफ खड़ी होकर राजनीतिक रोटियां सेंकने का काम कर रही हैं। पश्चिम बंगाल में हिंसा का बढ़ना, हिन्दुओं में डर पैदा होना, भय का वातावरण बनना, आम जनजीवन का अनहोनी होने की आशंकाओं से घिरा होना चिंताजनक भी है और राष्ट्रीय शर्म का विषय भी है।

यह बंगाल पुलिस के नाकारापन एवं ममता सरकार के मुस्लिम तुष्टिकरण का ही दुष्परिणाम है कि मुर्शिदाबाद के साथ ही अन्य शहरों में भी वक्फ कानून के विरोध की आड़ में हिंसा, तोड़फोड, आगजनी हो रही है। खतरनाक यह है कि इस दौरान हिंदुओं को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने वक्फ कानून विरोधियों की अराजकता से उपजे हालात का संज्ञान लिया। मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया है। इससे शर्मनाक एवं दर्दनाक और कुछ नहीं हो सकता कि मुर्शिदाबाद में 11 अप्रैल को हुई हिंसा के बाद करीब 500 हिंदू पलायन कर गए हैं। हिंदू परिवारों का आरोप है कि हिंसा के दौरान उनको चुन-चुनकर निशाना बनाया गया। उनके पीने के पानी में जहर तक मिला दिया गया है। इस हिंसा की जांच एजेंसियों ने पोल खोल दी है, यह हिंसा पूरी प्लानिंग के तहत की गई थी, जिसमें तुर्की से फंडिंग और स्थानीय मदरसों की मिलीभगत सामने आई है। हमलावरों को ट्रेनिंग दी गई और इनाम की व्यवस्था भी की गई थी। ममता बनर्जी एवं उनकी सरकार देश में एकमात्र ऐसी सत्तारुढ़ पार्टी एवं नेता बन गई है जिसका देश के संविधान, न्यायपालिका एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भरोसा नहीं रह गया है।

वक्फ कानून का विरोध करने सड़क पर उतरे तत्वों के दुस्साहस का पता इससे चलता है कि वे सीमा सुरक्षा बल के जवानों को भी निशाना बनाने से नहीं हिचक रहे हैं। उनके इसी दुस्साहस के चलते मुर्शिदाबाद के हिंदुओं ने खुद को असहाय पाया। बंगाल में कानून के शासन ने सुनियोजित हिंसा के दुष्चक्र के समक्ष एक बार फिर समर्पण कर दिया। बंगाल में इसके पहले भी ऐसा हो चुका है। मई 2021 में विधानसभा चुनावों के बाद वहां तृणमूल समर्थक तत्वों ने अपने राजनीतिक विरोधियों को इतना आतंकित किया था कि वे जान बचाने के लिए असम में शरण लेने को मजबूर हुए थे। तब भी वहां पुलिस मूकदर्शक बनी हुई थी। ताजा हिंसक हालातों में राज्य सरकार और उसके नेता यह झूठ देश के गले में उतारने में लगे हुए हैं कि बंगाल में स्थितियां नियंत्रण में हैं। यह कैसा नियंत्रण है? यह कैसी शासन-व्यवस्था है? यह कैसा दोगलापन है? जिसमें एक समुदाय खुलेआम दूसरे समुदाय को निशाना बना रहा है। खुलेआम सार्वजनिक मंचों पर राष्ट्र-विरोधी विचारों का जहर घोला जा रहा है।

वक्फ कानून में संशोधन का विरोध विडम्बनापूर्ण होने के साथ देश में अराजकता फैलाने का माध्यम बना हुआ है। वक्फ कानून में संशोधन के तहत किसी मस्जिद, मदरसे आदि को लेकर किसी भी तरह के नुकसान, कब्जा करने या दखल की बात नहीं कही गयी है। इसके विरोधी चाहे जो तर्क दें, इससे कोई इंकार नहीं कर सकता कि वक्फ बोर्ड भ्रष्टाचार का अड्डा बने हुए थे और सरकारी-निजी जमीनों पर मनमाने तरीके से दावा कर दिया करते थे। उनकी इस मनमानी का शिकार अनेक मुस्लिम भी थे। क्या वक्फ कानून के विरोधी यह बताने की स्थिति में हैं कि वक्फ बोर्डों ने अभी तक कितने गरीब मुसलमानों की सहायता की? यह पहली बार नहीं है, जब किसी कानून के खिलाफ सड़कों पर उतरकर उपद्रव, हिंसा, आगजनी की जा रही हो। इसके पहले नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ भी ऐसा ही किया गया था। तब यह झूठ फैलाया जा रहा था कि इस कानून के जरिये मुसलमानों की नागरिकता छीन ली जाएगी। अब यह झूठ फैलाया जा रहा है कि नए वक्फ कानून के जरिये सरकार मस्जिदों और कब्रिस्तानों पर कब्जा करना चाहती है। यह निरा झूठ और शरारत ही है। वक्फ कानून के विरोधी भले ही लोकतंत्र और संविधान की दुहाई दे रहे हों, लेकिन ये उसकी धज्जियां ही उड़ा रहे हैं। वे वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की प्रतीक्षा करने के लिए तैयार नहीं।

मुर्शिदाबाद हिंसा के जरिए पूरे बंगाल में हिंसा फैलाने का प्लान तुर्की में बनाया गया था, इसके जरिए बंगाल के हालात भी ठीक बांग्लादेश की तरह करने की कोशिश थी। हिंसा को लेकर बाकायदा एक लिस्ट तैयार की गई थी कि कौन कहां नुकसान करेगा और लूटपाट मचाएगा।

ये कहां आ गए हम

- ओमप्रकाश मेहता

क्या अठहत्तर वर्षिय हमारा प्रजातंत्र अब इतना बुजुर्ग हो गया है कि उसे अधिकार की लाठी टेककर चलना पड़ रहा है? यहीं नहीं उसे यह दिखाना भी पड़ रहा है कि उसके हाथ में लाठी है? वास्तव में ऐसा कुछ भी नहीं है, वह तो अब समय ही ऐसा आ गया है, जब प्रजातंत्र को दिखावे के लिए यह सब करना पड़ रहा है, जरा सोचिये.... जब प्रजातंत्र का हर एक अंग एक-दूसरे के सामने अपने को ज्यादा ताकतवर दिखाने के लिए शक्ति प्रदर्शन करें तो फिर स्तंभों के सामने और कोई विकल्प ही क्या है? जब विधायिका अपने आपको खुदा मानने लगे, न्यायपालिका अपनी सर्वोच्चता प्रकट करें, कार्यपालिका की अहमियत खत्म होने लगे, तक बैचारे प्रजातंत्र की क्या स्थिति होगी और जहां अघोषित चैथे स्तंभ खबर पालिका का सवाल है, वह विक्रय की वस्तु बन जाए तो फिर प्रजातंत्र का रक्षक कौन? ऐसी स्थिति में तो उसकी अकाल मृत्यु सुनिश्चित ही है, आज यही स्थिति है। भारत में आज यही परिदृष्य है, न्यायपालिका अपने आपको सर्वोच्च मान राष्ट्रपति जी को निर्देश दे रही है कि वे संसद द्वारा पारित विधेयकों पर तीन माह की समयावधि में अपना मन्तव्य स्पष्ट करें, उन्हें मंजूरी देनी है या नहीं? यह स्पष्ट करें और यदि किसी कारण से इस समयवधि से भी अधिक देरी होती है तो राष्ट्रपति को मंजूरी में देरी का लिखित में कारण बताना होगा। जहां तक हमने अभी तक पढ़ा है, सीखा है, वह यही है कि हमारे प्रजातंत्र की सर्वोच्च शख्सियत राष्ट्रपति होता है, वही सरकार का प्रमुख होता है, प्रधानमंत्री नहीं? फिर प्रजातंत्र की सर्वोच्च इस हस्ती को निर्देशित करने की यह हिम्मत न्यायपालिका ने कैसे जुटाई? इसी बीच देश की आजादी के बाद पहली बार विधानसभा में पारित हुए एक दर्जन विधेयकों को राज्यपाल की मंजूरी के बगैर तमिलनाडू सरकार ने अधिसूचित कर दिया, इससे राज्यपाल की मंजूरी के बगैर ये कानून के रूप में लागू हो गए।

इन उदाहरणों से यह स्पष्ट हो गया है कि हमारे प्रजातांत्रिक देश में भी स्वेच्छा चारिता का राज चल रहा है और सत्तारूढ वही सब करता है जो उसे करना है, उसे कोई भी कानून रोक नहीं पा रहा है.... अर्थात शीर्ष से निम्न स्तर तक स्वेच्छाचारिता जारी है और कानून लाल बस्ते में सिसकियां ले रहा है। अब सवाल यह है कि क्या देश की सर्वोच्च अदालत को राष्ट्रपति के सामने इस तरह पेश होना चाहिए? सर्वोच्च न्यायालय यहीं तक सीमित नहीं रहा, उसने तो राष्ट्रपति को यहां तक कह दिया कि- राष्ट्रपति के पास पूर्ण वीटों का अधिकार नही है, इसलिए राष्ट्रपति के लिए तीन महीनें में विधेयकों पर फैसला लेना कानूनन अनिवार्य है, मतलब यह कि अब सुप्रीम कोर्ट राष्ट्रपति जी के प्रति भी सख्त सीख अपनाने लगा है, आज स्वेच्छाचारिता का इससे बड़ा उदाहरण और क्या हो सकता है? इसी तरह के प्रजातंत्र के दौर से आज देश गुजरने को मजबूर है। मतलब यह कि प्रजातंत्री देश में शायद पहली बार तमिलनाडू में बिना राज्यपाल की मंजूरी के दस विधेयकों ने कानूनी रूप धारण कर लिया। यह तो महज एक उदाहरण है, देश के विभिन्न राज्यों में ऐसे अनेक उदाहरण मिल जाएगें जहां प्रजातंत्र का हर स्तंभ अपना शक्ति प्रदर्शन कर दूसरे स्तंभों से अपने आपको शक्तिशाली प्रदर्शित करता दिखाई देगा।

आज का राशिफल

मेष आज दिन मिलाजुला रहेगा और आपके कार्यक्षेत्र में कुछ बड़े बदलाव हो सकते हैं।

तुला आपको शिक्षा और प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष सफलता मिलने की संभावना है।

वृषभ आपका भाग्य साथ देगा और दोपहर तक शुभ समाचार मिलने की संभावना है।

वृश्चिक यश की प्राप्ति होगी और आपके रुके कार्य पूर्ण होने से मन काफी प्रसन्न रहेगा।

मिथुन आपको पिता के आशीर्वाद और उच्च अधिकारियों की कृपा प्राप्त होगी।

धनु आज धन लाभ होगा और आपको लाभ होगा। आपको सांसारिक सुखों की प्राप्ति होगी।

कर्क आपको धन लाभ होगा। बृहस्पति ग्रह की कृपा से आपको अचानक धन लाभ हो सकता है।

मकर आज व्यवसाय में मनचाहा लाभ मिलेगा और आपके धन में वृद्धि होगी। खुशी होगी।

सिंह आज लाभ होगा और आपको राजनीतिक क्षेत्र में बड़ी सफलता मिलने की संभावना है।

कुंभ आपके मान सम्मान में तरक्की के योग हैं। आपको भागदौड़ करनी पड़ सकती है।

कन्या आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपके सम्मान में वृद्धि होने के योग हैं।

मीन आज दिन लाभ से भरा होगा। आप किसी जरूरी काम से यात्रा कर सकते हैं।

विशेष

सुप्रीम कोर्ट का फैसला नहीं मानेगी सरकार

सुप्रीम कोर्ट के दो जजों की खंडपीठ ने राज्यपालों की भूमिका को लेकर जो फैसला दिया है ।उससे सरकार आग बबूला हो गई है । सरकार ने समीक्षा याचिका दायर करने का निर्णय लिया है । जल्द ही केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा याचिका दायर करेगी । तीन या पांच जजों की खंडपीठ सुप्रीम कोर्ट के फैसले को बदलेगी? केंद्र सरकार इस बात से आश्चर्यचकित है । कोई जज राज्यपालों और राष्ट्रपति के खिलाफ इस तरह का फैसला कैसे दे सकता है ।केंद्र सरकार ने इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया है ।सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में गोलबंदी की तैयारी कर ली है ।केंद्र सरकार इस तरह का अपमान बर्दाश्त नहीं कर सकती है ।

अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर मुखर हुए पीयूष गोयल

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल इन दिनों अमेरिका की नीतियों को लेकर कुछ ज्यादा ही मुखर हो गए हैं ।केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अघोषित रूप से भारत का पक्ष रखने के लिए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को खुली छूट दी है ।गोयल ने यूरोपीय यूनियन में आत्म सम्मान का मुद्दा उठाया । अमेरिका से दूपक्षी समझौते को लेकर उन्होंने आत्म सम्मान की बात कही । भारत की खाद्य सुरक्षा, औषधि उद्योग,ई कॉमर्सऔर सेवा के क्षेत्र में भारतीय हितों की अनदेखी नहीं की जा सकती है। भारत सरकार को चलो कुछ-कुछ तो समझ में आने लगा है। सीधे ना सही आडे-तिरछे तरीके से भारत ने बोलना सीख लिया है ।

कार्टून कोना

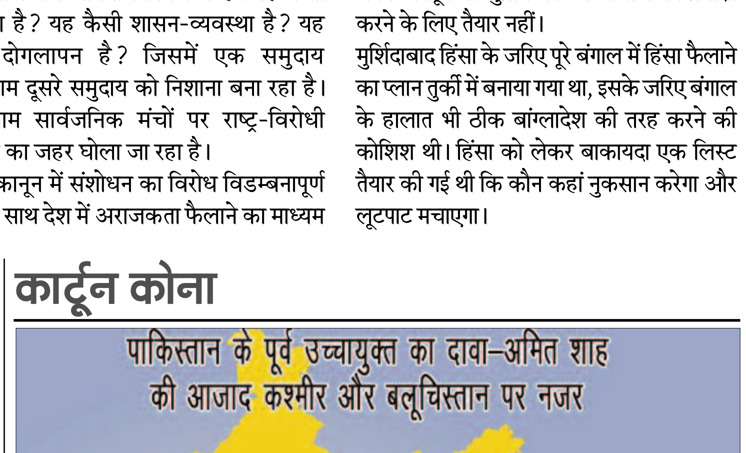

आज का इतिहास

1799 अंग्रेजों ने श्रीरंगपट्टणम की नाकेबंदी की. 1946 फ्रांस की आखिरी सैन्य टुकड़ी की वापसी के साथ सीरिया स्वतंत्र हुआ. 1968 अमेरिका ने एशिया के गैर कम्युनिस्ट देशों को संरक्षण देने की घोषणा की. 1973 कंबोड़िया के राष्ट्रपति लोन नोल ने इस्तीफा दिया. 1975 कम्युनिस्टों ने कंबोडिया पर कब्जा किया. 1975 भारत के राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का निधन, 1983 रोहिणी उपग्रह को एस. एल. बी. 3 राकेट ने कक्षा में स्थापित किया. 1989 अफगानिस्तान की फौजों ने विद्रोहियों की महत्वपूर्ण जमीनी मार्गों से हटा दिया. 1992 रूसी सांसदों ने हथियार नियंत्रण अधिनियम को मंजूरी देने से इंकार कर दिया, 1992 उज्जैन में सिंहस्थ कुम्भ मेला प्रारम्भ, 1996 चेचेन विद्रोहियों के हमले में रूस के 26 सैनिक मरे और 51 अन्य घायल हुए.

दैनिक पंचांग

17 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

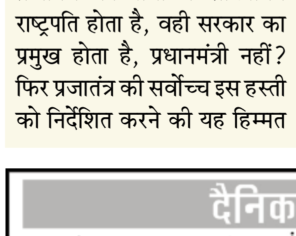

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	मेष	05.28 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	वृष	07.12 बजे से
मंगल	कर्क में	मिथुन	09.10 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.24 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	13.40 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	15.52 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.02 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	20.17 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	22.33 बजे से
राहुकाल		मकर	00.38 बजे से
1.30 से 3.00 बजे तक		कुंभ	02.25 बजे से
		मीन	03.57 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 107 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्थी 15.24 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अनुराधा 05.55 बजे को समाप्त। **योग** वरीयान 00.50 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बालव 15.24 बजे तदनन्तर कौलव 00.19 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 18.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 10° 29' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872317 **जूलियन दिन** 2460782.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सव्वाल **तारीख** 18

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

करियर चुनते समय भूलकर भी ना करें यह गलतियां

करियर चुनते समय कुछ चीजों का खास ख्याल रखना चाहिए। अगर आप इन चीजों का ख्याल नहीं रखती हैं तो आपको आगे जाकर दिक्कत आ सकती हैं।

करियर चुनना एक ऐसा फैसला है जिस पर आपकी आने वाली जिंदगी निर्भर करती है। ऐसे में यह फैसला कभी भी जल्दबाजी या बिना जानकारी के ना लें। अगर आप ऐसा करती हैं तो आने वाला समय आपके लिए मुश्किलों से भरा हो सकता है। ऐसे में जरूरी है कि करियर का फैसला सोच समझकर लिया जाए। ऐसे में करियर चुनते समय निम्नलिखित गलतियों से बचने के लिए ध्यान देना काफी जरूरी है।

प्रभावित होना

अक्सर लोग दूसरों के मत और प्रभावों के चलते करियर चुनते हैं। आपको अपनी प्राथमिकताओं, रुचियों और क्षमताओं के आधार पर चुनाव करना चाहिए, न कि दूसरों के प्रभाव में आकर। दूसरों का सुनना जरूरी है लेकिन जरूरी नहीं की आप उनकी हर बात को मानें।

बाहरी दबावों को महत्व देना

अक्सर परिवार दबाव, सामाजिक प्रतीक्षाओं या प्रतिस्पर्धा के दबाव के चलते गलत करियर चुन लेते हैं। आपको खुद के आंतरिक आवश्यकताओं और योग्यताओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। दबावों मे आकर कोई भी गलत निर्णय ना करें। ऐसे में आपको आगे जाकर दिक्कत आ सकती हैं।

अनधिकृत सलाह पर निर्भरता

करियर चुनते समय बहुत से लोग अनधिकृत या अयोग्य व्यक्तियों से सलाह लेते हैं। आपको केवल प्रामाणिक और विशेषज्ञ सलाहकारों की सहायता लेनी चाहिए। सलाह लेना जरूरी है लेकिन अपनी रूची के हिसाब से निर्णय लें। ताकि आपको आगे दिक्कत का सामना ना करना पड़े।

सिर्फ पैसे के लिए चुनाव

सिर्फ पैसे के लिए करियर को ना चुनें। पैसा होना जरूरी है लेकिन अगर आपका मन उस काम में नहीं लगता है लेकिन उस फिल्ड में पैसा अधिक है तो कभी भी ऐसा फील्ड का चुनाव अपने करियर के लिए ना करें।

टैटू आर्टिस्ट की फील्ड में किताबी पढ़ाई नहीं क्रिएटिव स्किल्स होना जरूरी

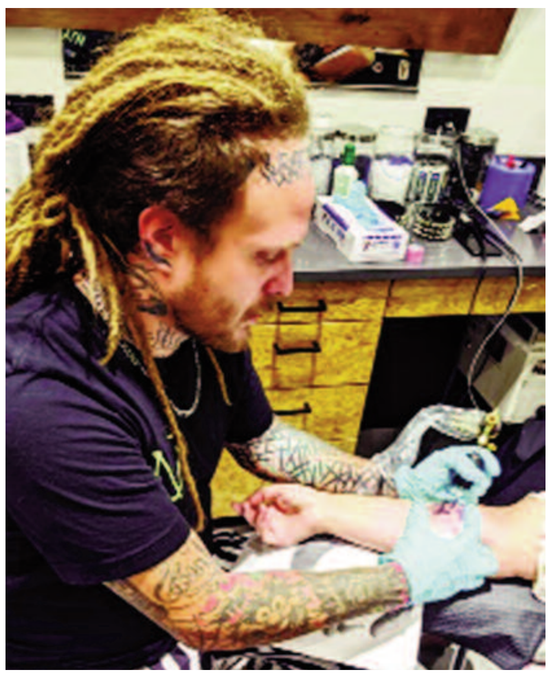

आज के समय में लोग टैटू बनवाना काफी पसंद करते हैं, इसलिए अच्छे टैटू आर्टिस्ट की डिमांड काफी बढ़ गई है। हालांकि, एक सक्सेसफुल टैटू आर्टिस्ट बनने के लिए आपमें कुछ स्किल्स होने बेहद जरूरी हैं।

वो जमाने लद गए, जब लोग केवल कुछ ही फील्ड में अपना करियर देखते थे। आज के समय में लोग कई अलग-अलग फील्ड में अपना करियर बना रहे हैं। क्रिएटिव फील्ड में एक्सपर्ट की डिमांड काफी बढ़ने लगी है। इन्हीं में से एक है टैटू आर्टिस्ट की फील्ड। आज के समय में लोगों में टैटू बनवाने का क्रेज बहुत ज्यादा बढ़ गया है। जिसके कारण वे एक अच्छे टैटू आर्टिस्ट को ढूंढते हैं। यही कारण है कि टैटू आर्टिस्ट की फील्ड में करियर ऑप्शन भी बहुत अच्छे हैं।

यह एक ऐसी फील्ड है, जिसमें आपकी किताबी पढ़ाई काम नहीं आती है, बल्कि आपके स्किल्स ही आपको आगे लेकर जाते हैं। यह तो हम सभी जानते हैं कि एक अच्छा टैटू आर्टिस्ट बनने के लिए आपका क्रिएटिव होना बेहद जरूरी है। लेकिन सिर्फ इतना ही काफी नहीं है। अगर आप एक टैटू आर्टिस्ट के रूप में अपना करियर देख रहे हैं तो ऐसे में आपमें कुछ स्किल्स होने भी बेहद जरूरी हैं, जिसके बारे में आज हम आपको इस लेख में बता रहे हैं-

होने चाहिए आर्टिस्टिक स्किल्स

किसी भी टैटू आर्टिस्ट के लिए बेहद ही जरूरी है कि उसमें आर्टिस्टिक टैलेंट जरूर हो। अगर आपकी ड्राइंग या आर्टिस्टिक स्किल्स अच्छे नहीं होते हैं तो ऐसे में आप अपने क्लाइंट को अच्छे रिजल्ट नहीं दे सकते हैं। आपके भीतर डिजाइन से लेकर शेडिंग और कलर थ्योरी आदि की जरूर समझ होनी चाहिए। यह आर्टिस्टिक स्किल्स ही होते हैं, जो किसी क्लाइंट के आइडियाज को एक टैटू डिजाइन के रूप में उकेरते हैं।

स्किन की होनी चाहिए समझ

अगर आप एक बेहतरीन टैटू आर्टिस्ट बनना चाहते हैं तो आपको स्किन की भी समझ होनी चाहिए। जिससे आप टैटू ठीक तरह से बना सके और किसी तरह की परेशानी ना हो। एक टैटू आर्टिस्ट के रूप में आपको यह जानने की जरूरत है कि सुई को त्वचा में कितनी गहराई तक घुसाना है या फिर अलग-अलग तरह की स्किन पर टैटू प्रोसेस किस तरह से इफेक्ट करेगा। साथ ही साथ, टैटू बनवाने से पहले और बाद में स्किन की सही तरह से देखभाल किस तरह की जाए।

इमेजिनेशन पावर हो बेहतर

आज के समय में लोग टैटू में कस्टम डिज़ाइन बनवाना काफी पसंद करते हैं। ऐसे में टैटू आर्टिस्ट के लिए एक परफेक्ट टैटू डिजाइन बनाने के लिए क्रिएटिव होना बेहद जरूरी है। अगर टैटू आर्टिस्ट की इमेजिनेशन पावर अच्छी होगी तो वह अपने क्लाइंट की जरूरतों को समझकर एक यूनिक डिजाइन क्रिएट कर पाएगा।

बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स

टैटू आर्टिस्ट का काम सिर्फ टैटू डिजाइन बनाना ही नहीं होता है, बल्कि उन्हें अलग-अलग तरह के क्लाइंट्स से भी डील करना होता है। उनकी जरूरतों व इच्छाओं को समझकर उन्हें सजेशन देना होता है। साथ ही साथ, ऐसे डिजाइन का क्रिएट करना होता है, जो उनकी इच्छा के अनुरूप हो। हालांकि, ऐसा केवल तभी संभव है, जब टैटू आर्टिस्ट के कम्युनिकेशन स्किल्स बेहतर हो। इतना ही नहीं, अपने कम्युनिकेशन स्किल्स के चलते वह क्लाइंट्स को बार-बार सर्विस भी दे सकता है।

....अगर आप भी घर संभालने के साथ-साथ जॉब करना चाहती हैं

अगर आप शादी के बाद घर संभालने के साथ-साथ जॉब करना चाहती हैं, तो हम आपको बताएंगे कि आप कौन-कौन से करियर ऑप्शन चुन सकती हैं और घर बैठे पैसे कमा सकते हैं।

आज के समय में कई महिलाएं अपने परिवार और घर की देखभाल के साथ-साथ घर बैठे ही पैसे कमाना चाहती हैं। ऐसे में अगर आप भी घर बैठे नौकरी करके पैसे कमाना चाहती हैं, तो ये करियर ऑप्शन आपके लिए बेस्ट होंगे। इनके जरिए आप अच्छे पैसे कमा सकती हैं।

सोशल मीडिया मैनेजर

सोशल मीडिया मैनेजर कंपनी, ब्रांड या किसी प्रमुख संस्थान के सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सोशल अकाउंट और चैनल को सही तरीके से मैनेज करते हैं। अगर आपको सोशल मीडिया से जुड़े रहना पसंद है और आप उससे जुड़ी हुई चीजों को बेहतर तरह से समझना चाहती हैं, तो यह करियर ऑप्शन आपके लिए परफेक्ट साबित हो सकता है। सोशल मीडिया मैनेजर कंपनी को आगे ले जाने के लिए नए-नए तरीके अपनाते रहते हैं, ताकि कंपनी की अच्छी छवि को बनाया रखा जा सके।

ऑनलाइन टीचर

इस आधुनिक जमाने में हर चीज ऑनलाइन हो रही है, जिसकी वजह से बहुत से लोग ऑनलाइन टीचिंग से पैसे कमाने के तरीके ढूंढ रहे हैं। ऑनलाइन टीचर बनकर आप अच्छे पैसे कमा सकती हैं। आप मैथ्स और साइंस के साथ में जेईई मेंस, नीट, निफ्ट आदि से जुड़े हुए कोर्स आप पढ़ा सकती हैं। आप ऑनलाइन टीचिंग के लिए खुद को रजिस्टर कर सकती हैं। आप ऑनलाइन टीचिंग के लिए मेरिटनेशन, चैग इंडिया या अनअकैडमी वेबसाइट पर रजिस्टर कर सकती हैं।

वर्चुअल असिस्टेंट

इसमें कोई शक नहीं कि तकनीक ने काम को कुशलता के साथ पूरा करने और इनोवेटिव तरीके से लक्ष्य हासिल करने के नए तरीके सामने रखे हैं। वर्चुअल असिस्टेंट, कंपनियों को उनके अलग-अलग कामों में मदद करते हैं और अच्छे पैसे कमाते हैं। इस काम से आप हर घंटे 500 से 4000 रुपये तक की कमाई कर सकती हैं। वर्चुअल असिस्टेंट के कई काम होते हैं। इसमें आपको कंपनी के ऑर्डर पर नजर रखना, कंपनी के पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन बनाना, बिजनेस डॉक्यूमेंट्स बनाना आदि शामिल होते हैं। इसके लिए आपको थोड़ी ट्रेनिंग की भी जरूरत पड़ सकती है।

बिजनेस एनालिटिक्स में बनाएं अपना करियर

अगर आपको भी बिजनेस में अधिक रुचि है, तो आप भी बिजनेस एनालिटिक्स में अपना करियर बना सकते हैं। इसके लिए यहां हम कुछ कोर्स के बारे में बताने वाले हैं, जो आपके लिए काम की हो सकती है।

आज की प्रतिस्पर्धी दुनिया में बिजनेस एनालिटिक्स के क्षेत्र में मांग लगातार बढ़ रही है। हर इंडस्ट्री और कंपनियों को एक्सपर्ट्स की तलाश रहती है, जो उन्हें बेहतर स्ट्रैटेजिक सॉल्यूशन दे सके। दरअसल, बिजनेस एनालिटिक्स का काम फैक्ट्स और उपलब्ध डेटा का अच्छी तरह विश्लेषण कर कंपनी के लिए बिजनेस संबंधित नीतियां तैयार करना है।

जो भी पढ़ाई करने के बाद अगर टेक्निकल स्किल की ओर अपना करियर बनाना चाहते हैं, तो वह बिजनेस एनालिटिक्स का कोर्स कर सकते हैं। इसकी डिमांड भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी लगातार बढ़ रही है। ऐसे में आप बिजनेस की तरफ अपना रुख कर सकती हैं। इससे आपको विदेशों में भी नौकरी पाने का मौका मिल सकता है। इसी के साथ आइए कोर्स और जॉब प्रोफाइल आदि के बारे में विस्तार से जानते हैं।

कब कर सकते हैं बिजनेस संबंधित कोर्स?

कंप्यूटर साइंस स्ट्रीम के साथ बी.टेक या बी.ई कोर्स करने के लिए उम्मीदवार का फिजिक्स, केमेस्ट्री और मैथ के साथ 12वीं में पास होना अनिवार्य है। इसके लिए किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से 12वीं या स्नातक होना अनिवार्य है। इसके अलावा, 12वीं में इंग्लिश एक अनिवार्य विषय के रूप में होना चाहिए। साथ ही, कैंडिडेट को अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं का ज्ञान होना जरूरी है। अगर आप में ये सभी योग्यता है, तो आप करियर के लिहाज से बिजनेस एनालिस्ट का चयन कर सकती हैं।

बिजनेस एनालिस्ट में टॉप कोर्स

- सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन बिजनेस एनालिटिक्स
- बीबीए इन बिजनेस एनालिसिस
- एश्योरेंस एनालिटिक्स फॉर मैनेजमेंट
- बैचलर इन कम्प्यूटेशनल बिजनेस एनालिटिक्स
- पीजीपी इन बिजनेस एनालिटिक्स
- एमबीए इन बिजनेस एनालिटिक्स
- बिजनेस एनालिस्ट में सर्टिफिकेशन
- सीएफए (चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट)
- एफआरएम (फाइनेंशियल रिस्क मैनेजर) सर्टिफिकेट
- PMI-प्रोफेशनल्स इन बिजनेस एनालिसिस सर्टिफिकेट
- आईआईबीए एजाइल एनालिसिस सर्टिफिकेशन
- IREB-सर्टिफाइड प्रोफेशनल फॉर रिक्वायरमेंट्स इंजीनियरिंग
- प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सर्टिफिकेशन (एमबीए इन प्रोजेक्ट मैनेजमेंट)
- IIBA सर्टिफिकेशन ऑफ कॉम्पिटेंसी इन बिजनेस एनालिसिस

भारत में बिजनेस एनालिटिक्स के लिए टॉप संस्थान

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, अहमदाबाद, गुजरात
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
- वीजीएसओएम, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
- एक्सएलआरआई, जमशेदपुर, झारखंड
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, इंदौर, मध्य प्रदेश
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, शिलांग, मेघालय
- इंडियन स्कूल ऑफ बिज़नेस, हैदराबाद
- एनआईटी त्रिची, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु
- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, बैंगलोर, कर्नाटक
- एसपी जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, मुंबई
- सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, पुणे

घरों की बिक्री में 19 फीसदी की भारी गिरावट

महंगाई ने मारा घर खरीदने का सपना

नईदिल्ली, एजेंसी। पूरे देश में घरों की बिक्री में भारी गिरावट आई है। देश के आठ सबसे बड़े शहरों में घरों की बिक्री और नए घरों की लांचिंग में 19 फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। इसे वैश्विक बाजार में रोजगार के अवसरों को लेकर लोगों की अनिश्चितता का परिणाम बताया गया है। महंगे होम लोन के कारण भी निवेशक घर खरीद से पीछे हटने के लिए मजबूर हुए हैं। इसके पहले की तिमाही अक्तूबर-दिसंबर 2024 में भी घरों की बिक्री में 26 फीसदी और नए घरों की लांचिंग में 33 फीसदी की भारी गिरावट दर्ज की गई थी। इसका असर निर्माण और रियल स्टेट सेक्टर में काम कर रहे लोगों के रोजगार पर पड़ सकता है।

बंगलूरू और चेन्नई को छोड़कर देश के सभी शहरों में घरों की बिक्री में कमी दर्ज की गई है, जबकि अहमदाबाद, हैदराबाद और पुणे में घरों की खरीद-बिक्री में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई है। बंगलूरू में घरों की बिक्री में 13 प्रतिशत और चेन्नई में आठ प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जबकि कोलकाता में केवल एक फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। हैदराबाद और मुंबई में घरों की बिक्री में सबसे ज्यादा 26-26 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जबकि पुणे में भी घरों की बिक्री में 25 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। प्रॉपटाइगर डॉट कॉम की ताजा रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जनवरी-मार्च 2025 की पहली तिमाही में देश के सबसे बड़े आठ शहरों में होम सेल्स में 19 प्रतिशत की भारी गिरावट आई है। इस दौरान डेवलपर द्वारा नए घरों की उपलब्धता में भी दस फीसदी की गिरावट आई है। घरों की बिक्री में कमी का सबसे बड़ा कारण वैश्विक बाजार में अनिश्चितता और घरों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी को माना गया है। निर्माण क्षेत्र में सीमेंट, स्टील, परिवहन और फर्नीचर जैसी वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण घरों का निर्माण महंगा हुआ है। इससे लोगों की खरीद क्षमता में घरों की उपलब्धता का संकट पैदा हुआ है। इसका असर प्रॉपर्टी और निर्माण क्षेत्र की नौकरियों पर पड़ सकता है। इस सेक्टर में काम कर रहे श्रमिकों को इसका सीधा नुकसान होने की संभावना है।

अक्तूबर-दिसंबर 2024 की तिमाही में भी पूरे देश में घरों की बिक्री में कमी दर्ज की गई थी। इस समय अवधि में दीपावली और नवरात्रि-दशहरा जैसे त्योहारी सीजन होने के बाद भी घरों की बिक्री में 26 प्रतिशत की भारी गिरावट आई थी। इस गिरावट का यह परिणाम हुआ था कि प्रॉपर्टी सेक्टर में काम करने वाली कंपनियों ने नए प्रोजेक्ट को लांच करने में कटौती कर दी। इस तिमाही में नए प्रोजेक्ट्स की लांचिंग में पिछले वर्ष की इसी समय अवधि की तुलना में 33 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी।

लगातार दो तिमाही में घरों की बिक्री और नए घरों के प्रोजेक्ट्स लांच होने में कमी का असर सीधे तौर पर रोजगार के अवसरों को प्रभावित करता है। नए होम प्रोजेक्ट्स की लांचिंग में कमी से निर्माण क्षेत्र में काम कर रहे श्रमिकों के रोजगार पर गहरा नकारात्मक असर छोड़ सकता है। इससे देश की इस बड़े वर्ग के हाथ में पैसे की कमी आवश्यक वस्तुओं की खरीद-बिक्री और उत्पादन को भी प्रभावित कर सकता है।

आरबीआई के कदम से स्थिति संभलने का अनुमान

रिजर्व बैंक ने लगातार दो बार रेपो दरों में कटौती की है। इससे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, महाराष्ट्र बैंक और बैंक ऑफ इंडिया ने अपनी ब्याज दरों में कटौती की है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि यदि रिजर्व बैंक ने इस तरह का कदम न उठाया होता तो इस तिमाही में रियल स्टेट सेक्टर में और अधिक मंदी आ सकती थी। लेकिन ब्याज दरों के कम होने से कुछ निवेशक घर खरीद को अपनी प्राथमिकता में रख सकते हैं।

सोच समझकर करें निवेशः एक्सपर्ट

हाउसिंग डॉट कॉम के सीईओ ध्रुव अग्रवाल ने अमर उजाला से कहा कि पूरी दुनिया में अमेरिका के टैरिफ वॉर के कारण व्यापार में अनिश्चितता पैदा हुई है। इससे लोग अपनी नौकरी और भविष्य को लेकर आशंकित हुए हैं। इसका सीधा असर आने वाले समय में घरों की बिक्री पर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि घर-फ्लैट में निवेश ज्यादातर लोगों के लिए जीवन में एक-दो बार किया जाने वाला भारी निवेश होता है, लिहाजा सभी पहलुओं का गहराई से अध्ययन करने के बाद ही किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना चाहिए।

आय के 10 प्रतिशत से अधिक न हो ईएमआई – नवेश एक्सपर्ट अनिल सक्सेना ने अमर उजाला से कहा कि घरों को खरीदना इतना महंगा हो गया है कि बिना बैंक से कर्ज लिए घर खरीदने की बात अब कोई सोच भी नहीं सकता। लेकिन ऐसा करते हुए यह ध्यान रखना चाहिए कि होम लोन के रूप में जाने वाली ईएमआई अपनी मासिक-वार्षिक आय के 15-20 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए।

10,000 इलेक्ट्रिक बसें खरीदने के लिए सरकार जारी करेगी टेंडर!

नईदिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रिक बस बनाने वाली कंपनी जेबीएम ऑटो लिमिटेड और ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड के शेयर आज बुधवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। इन कंपनियों को नए ऑर्डर मिलने की उम्मीद है। यही वजह है कि आज बुधवार, 16 अप्रैल को कंपनी के शेयरों में 10 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई। दरअसल, खबर है कि सरकार 10,000 इलेक्ट्रिक बसें खरीदने के लिए टेंडर जारी करने वाली है। पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत बसों की खरीद के लिए टेंडर अगले महीने जारी किए जाने की संभावना है।

क्या है डिटेल

सीएनबीसी-टीवी18 ने सोर्स के हवाले से बताया है कि सीईएसएल या कन्वर्जेंस एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड 9 शहरों के लिए इंट्रा-सिटी ई-बस ऑपरेटर चुनने के लिए टेंडर जारी करेगी और केंद्र इन बसों की खरीद के लिए लगभग 3,000 करोड़ रुपये की सब्सिडी देगा। इन नौ शहरों में बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, पुणे, मुंबई, सूरत, अहमदाबाद, नई दिल्ली और कोलकाता शामिल हैं। हैवी उद्योग मंत्रालय ने प्रति इलेक्ट्रिक बस अधिकतम सब्सिडी राशि 35 लाख तय की है और अधिकांश राज्यों ने इंट्रासिटी उपयोग के लिए 12 मीटर की इलेक्ट्रिक बसों की मांग की है। बता दें कि सरकार ने सितंबर 2024 में पीएम ई-ड्राइव योजना शुरू की थी। 10,900 करोड़ का परिव्यय मार्च 2026 तक लागू है।

शेयरों के हाल- जेबीएम ऑटो की सहायक कंपनी जेबीएम इकोलाइफ मोबिलिटी ने इस साल फरवरी में पीएम ई-बस सेवा योजना-टू के तहत 5,500 करोड़ का ऑर्डर जीता था। जेबीएम ऑटो के शेयर 10.2 प्रतिशत बढ़कर 689 पर कारोबार कर रहे हैं, लेकिन अपने हाल के शिखर 1,169 से काफी नीचे हैं।

एचडीएफसी बैंक के शेयर खरीदें, 2350 तक जा सकती है कीमत

नईदिल्ली, एजेंसी। प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक का शेयर आज बीएसई पर 1,882.05 के नए हाई पर पहुंच गया। यह लगातार तीसरे दिन की बढ़त है। शेयर ने आज 1,882 के ओपन प्राइस के साथ शुरुआत की, जबकि कल का क्लोजिंग प्राइस 1,864.90 था। सुबह 10ः05 तक यह शेयर 0.60 प्रतिशत चढ़कर 1,876 पर ट्रेड कर रहा था। इसी दौरान सेंसेक्स भी 0.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 76,830 के लेवल पर था। यह नया रिकॉर्ड प्राइस, 19 सितंबर 2019 के स्टॉक स्प्लिट के बाद एडजस्ट किया गया है।

कैसा रहा साल 2025 का सफर

शेयर मार्केट में उथल-पुथल के बावजूद एचडीएफसी बैंक के शेयर ने इस साल अच्छी बढ़त दिखाई है। 15 अप्रैल तक, यह शेयर साल 2025 में 5 प्रतिशत चढ़ चुका है, जबकि सेंसेक्स 2 प्रतिशत नीचे गिरा है। पिछले साल 13 मई को यह शेयर अपने 52-हफ्ते के निचले स्तर 1,430.15 पर पहुंचा था। एक्सपर्ट्स के मुताबिक अगर आप लॉन्ग टर्म के लिए इन्वेस्ट करते हैं, तो एचडीएफसी बैंक के शेयर में दम दिखता है। फरवरी में 2 प्रतिशत, मार्च में 6 प्रतिशत, और अप्रैल में अब तक 2 प्रतिशत की बढ़त के साथ एचडीएफसी बैंक लगातार तीसरे महीने ग्रीन में है।

अमेरिका लगातार चौथे साल भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार

चीन से व्यापार घाटा बढ़कर 99.2 अरब डॉलर

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका लगातार चौथे साल वर्ष 2024-25 में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा। इस दौरान दोनों देशों के बीच 131.84 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ। हालांकि, इस अवधि में चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 99.2 अरब डॉलर पर पहुंच गया। मंगलवार को जारी आंकड़ों से इसकी पुष्टि होती है। पिछले वित्त वर्ष में चीन को भारत का निर्यात 14.5 प्रतिशत घटकर 14.25 अरब डॉलर रह गया। 2023-24 में यह आंकड़ा 16.66 अरब डॉलर था। हालांकि, 2024-25 में भारत का चीन से आयात 11.52 प्रतिशत बढ़कर 113.45 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 101.73 अरब डॉलर था।

चीन के साथ व्यापार घाटे में 17 फीसदी की बढ़ोतरी

चीन के साथ व्यापार घाटा पिछले वित्त वर्ष में लगभग 17 प्रतिशत बढ़कर 99.2 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जो 2023-24 में यह आंकड़ा 85.07 अरब डॉलर था। चीन 2024-25 में 127.7 अरब डॉलर के दोतरफा कारोबार के साथ भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा। 2023-24 में दोनों देशों के बीच 118.4 अरब डॉलर का कारोबार हुआ था। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2013-14 से 2017-18 तक और 2020-21 में चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था। चीन से पहले, संयुक्त अरब अमीरात देश का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार था। 2021-22 से अमेरिका सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार है। पिछले वित्त वर्ष के दौरान, 100.5 अरब डॉलर के साथ यूएई भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा।

अमेरिका को भारत का निर्यात 11.6 प्रतिशत बढ़कर 86.51 अरब डॉलर हुआ- बीते वित्त वर्ष में अमेरिका को भारत का निर्यात 11.6 प्रतिशत बढ़कर 86.51 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 77.52 अरब डॉलर था। 2024-25 में भारत का अमेरिका से आयात 7.44 प्रतिशत बढ़कर 45.33 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 42.2 अरब डॉलर था। अमेरिका के साथ व्यापार अधिशेष पिछले वित्त वर्ष में 41.18 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंच गया है, जो 2023-24 में 35.32 बिलियन अमरीकी डॉलर था।

अमेरिका के साथ इन चीजों का हो रहा निर्यात और आयात

2024 में, अमेरिका भारत ने जिन प्रमुख चीजों का निर्यात किया उनमें औषधि निर्माण और जैविक (8.1 अरब डॉलर), दूरसंचार उपकरण (6.5 अरब डॉलर), कीमती और अर्ध-कीमती पत्थर (5.3 अरब डॉलर), पेट्रोलियम उत्पाद (4.1 अरब डॉलर), सोना और अन्य कीमती धातु के आभूषण (3.2 अरब डॉलर), सहायक उपकरण सहित सूती तैयार वस्त्र (2.8 अरब डॉलर), और लोहा और इस्पात के उत्पाद (2.7 अरब डॉलर) शामिल हैं। आयात के प्रमुख उत्पादों में कच्चा तेल (4.5 अरब डॉलर), पेट्रोलियम उत्पाद (3.6 अरब डॉलर), कोयला, कोक (3.4 अरब डॉलर), कटे और पॉलिश किए हुए हीरे (2.6 अरब डॉलर), इलेक्ट्रिक मशीनरी (1.4 अरब डॉलर), विमान, अंतरिक्ष यान और उसके पुर्जे (1.3 अरब डॉलर) और सोना (1.3 अरब डॉलर) शामिल है। आने वाले वर्षों में भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार में तेजी आने की उम्मीद है क्योंकि दोनों देश एक कारोबारी समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। इसका मकसद 2030 तक वस्तुओं और सेवाओं में दोतरफा वाणिज्य को वर्तमान 191 अरब डॉलर से बढ़ाकर 500 अरब डॉलर करना है।

सरकारी कंपनी को हुआ प्रॉफिट तो सरपट दौड़ने लगे शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर मार्केट में बुधवार को मिलाजुला रुख रहा। मार्केट खुलने से लेकर दोपहर 12 बजे तक सेंसेक्स और निफ्टी में उतार-चढ़ाव आता रहा। वहीं दूसरी ओर कई कंपनियों के शेयर ने मार्केट में गिरावट के बाद भी ऊंची छलांग लगाई। इसी में सरकारी कंपनी इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी का शेयर भी शामिल है। कंपनी ने एक दिन पहले ही अपनी चौथी तिमाही के नतीजे घोषित किए थे। चौथी तिमाही में कंपनी को जबरदस्त फायदा हुआ है। इसके बाद आज बुधवार को इसके शेयर में तेजी देखी गई। इरेडा के शेयर बुधवार को 7 फीसदी से ज्यादा चढ़ गए। एक दिन पहले यानी मंगलवार को यह 167.10

रुपये पर बंद हुआ था। बुधवार को यह 5 फीसदी की तेजी के साथ 175.75 रुपये पर खुला। खुलते ही इसने बढ़त बनाना शुरू कर दिया और देखते ही देखते 7 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 179.50 रुपये पर जा पहुंचा। दोपहर करीब 12 बजे यह शेयर 6 फीसदी की तेजी के साथ 177.20 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

कंपनी ने खूब दिया लोन- सरकार के स्वामित्व वाली इस कंपनी ने चौथी तिमाही में 47,453 करोड़ रुपये के लोन मंजूर किए। यह पिछले साल से 27 प्रतिशत ज्यादा है। इस तिमाही में लोन का वितरण 20 प्रतिशत बढ़कर 30,168 करोड़ रुपये हो गया। ऐसे में इरेडा का कुल लोन पोर्टफोलियो इस तिमाही में बढ़कर 76,250 करोड़ रुपये हो गया है। यह पिछले साल की इसी तिमाही के 59,698 करोड़ रुपये से 28 प्रतिशत ज्यादा है। कंपनी का ऑपरेटिंग प्रॉफिट चौथी तिमाही में 770 करोड़ रुपये रहा। पिछले साल इसी तिमाही में यह 498 करोड़ रुपये था। इस तरह कंपनी के ऑपरेटिंग प्रॉफिट में 55 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। कंपनी के ग्रॉस एनपीए इस तिमाही में 1,866 करोड़ रुपये रहे। पिछली तिमाही में यह आंकड़ा 1,845 करोड़ रुपये था और पिछले साल इसी तिमाही में 1,411 करोड़ रुपये था।

कैसा रहा कंपनी का रिजल्ट

कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही के नतीजे मंगलवार को जारी किए। इस तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 49 प्रतिशत बढ़कर 502 करोड़ रुपये हो गया है। पिछले वित्तीय वर्ष की इसी तिमाही में यह आंकड़ा 337 करोड़ रुपये था। वहीं कंपनी की कुल कमाई भी बढ़ी है। इस चौथी तिमाही में कंपनी ने 1,905 करोड़ रुपये कमाए। पिछले साल इसी तिमाही में यह आंकड़ा 1,391 करोड़ रुपये था। इस तरह कंपनी की कमाई में 37 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

दो दिन में 18.42 लाख करोड़ का फायदा...

● भारत में कुछ उद्योगपति काम के घंटे बढ़ाने की बात कर रहे हैं ● टोक्यो शहर की सरकार ने यह नया नियम शुरू किया

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रमुख ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टैनली ने भारतीय शेयर बाजार को लेकर अपना नजरिया जारी किया है। फर्म ने दिसंबर 2025 के लिए बीएसई सेंसेक्स का टारगेट घटा दिया है। हालांकि, उसका मानना है कि भारतीय बाजार में अभी भी तेजी बनी रहेगी। दो दिनों में शेयर बाजार में आई तेजी से निवेशकों की संपत्ति में 18.42 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

मॉर्गन स्टैनली ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में गिरावट के बावजूद भारत का प्रदर्शन अच्छा रहा है। लेकिन, मल्टी-मंथ लो तक पहुंचने का खतरा अभी भी बना हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की मध्यम अवधि की कमाई का साइकिल ठीक है।

मॉर्गन स्टैनली के अनुसार, भारत का लो बीटा वैश्विक बाजार में गिरावट के बीच बेहतर प्रदर्शन करने में मदद कर रहा है। हालांकि, इंडेक्स मल्टी-मंथ लो तक पहुंच सकता है। भारत के लिए कुछ खास चीजें हैं जो बाजार को ऊपर ले जा सकती हैं। जैसे आरबीआई की ओर से ब्याज दरों में कटौती, जीएसटी दरों में कटौती, अमेरिका के साथ व्यापार समझौता और अच्छे आर्थिक आंकड़े। ब्रोकरेज फर्म ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कमाई का अनुमान 13 प्रतिशत घटा दिया है। इसका कारण वैश्विक स्थिति को बताया गया है। उसने कहा कि सरकार के बेहतर काम और आरबीआई की उदार नीति से घरेलू विकास को समर्थन मिल रहा है। भारत की मध्यम अवधि की कमाई का चक्र अभी भी ठीक है। दिसंबर 2025 के लिए सेंसेक्स के टारगेट पर मॉर्गन स्टैनली ने कहा, हमारा नया दिसंबर 2025 का सेंसेक्स टारगेट 12 प्रतिशत कम होकर 82,000 है, जो वर्तमान स्तर से 9 प्रतिशत ऊपर है। इसका मतलब है कि मॉर्गन स्टैनली को अभी भी सेंसेक्स में बढ़ोतरी की उम्मीद है, लेकिन पहले जितनी नहीं।

दिसंबर 2024 में मॉर्गन स्टैनली ने भविष्यवाणी की थी कि दिसंबर 2025 तक सेंसेक्स 93,000 तक पहुंच जाएगा। लेकिन, अब उसने अपना लक्ष्य घटा दिया है।

निवेशकों की संपत्ति 18.42 लाख करोड़ बढ़ी

दो कारोबारी सत्रों में शेयर बाजार में आई तेजी की बात करें तो निवेशकों की संपत्ति 18.42 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से कुछ इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं पर शुल्क में छूट दिए जाने और वाहनों पर टैरिफ की समीक्षा के संकेत के बाद वैश्विक बाजारों में तेजी आई। इसका असर भारतीय बाजार पर भी पड़ा बीएसई सेंसेक्स 1,577.63 अंक यानी 2.10 फीसदी की तेजी के साथ 76,734.89 अंक पर बंद हुआ।

दो दिनों में सेंसेक्स 2,887.74 अंक चढ़ा है। इस तेजी के साथ बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 18,42,028.91 करोड़ रुपये बढ़कर 4,12,24,362.13 करोड़ रुपये हो गया। इसका मतलब है कि निवेशकों को दो दिनों में काफी फायदा हुआ है। कुल मिलाकर मॉर्गन स्टैनली ने भारत के शेयर बाजार के लिए अपना लक्ष्य घटा दिया है, लेकिन उसे अभी भी इसमें तेजी की उम्मीद है। वहीं, शेयर बाजार में आई तेजी से निवेशकों को काफी फायदा हुआ है।

मयंक यादव ने की लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम में वापसी

राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले मैच में खेलते नजर आएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को बड़ी राहत मिली है, क्योंकि तेज गेंदबाज मयंक यादव टीम में वापसी कर चुके हैं। उम्मीद है कि वह शनिवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले मैच में खेलते नजर आएंगे। एलएसजी ने मयंक की वापसी की जानकारी एक खास वीडियो के जरिए अपने सोशल मीडिया पर दी, और कैप्शन में लिखा - मयंक यादव लौट आए हैं। मयंक को पीठ में चोट लगी थी, जिसकी वजह से वह बाहर थे। इस सीजन की शुरुआत में उनकी वापसी लगभग तय थी, लेकिन अचानक पैर की उंगली में उन्हें फिर से चोट लग गई। इस चोट में इंफेक्शन हो गया और उनकी वापसी और टल गई। मयंक पिछले साल बांग्लादेश के खिलाफ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलकर टीम इंडिया में शामिल हुए थे। इसके बाद वह पूरे घरेलू सीजन से बाहर रहे और बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में इलाज और ट्रेनिंग करते रहे। एलएसजी के कोच जस्टिन लैंगर पहले ही मयंक की वापसी को लेकर उत्साहित थे। उन्होंने कहा था, मयंक अब दौड़ने और गेंदबाजी करने लगे हैं, जो कि भारतीय क्रिकेट और आईपीएल दोनों के लिए बहुत अच्छी बात है। मैंने एनसीए में उनकी गेंदबाजी का वीडियो देखा, जिसमें वह लगभग 90 से 95 प्रतिशत फिट नजर आ रहे थे। पिछले सीजन में मयंक ने अपनी तेज रफ्तार और विकेट लेने की क्षमता से सबको चौंका दिया था। वह लगातार 150 किलोमीटर प्रति घंटा से तेज गेंद फेंक रहे थे। उन्होंने एलएसजी के लिए सिर्फ चार मैच खेले थे, लेकिन फिर भी उन्हें बड़े खिलाड़ियों के साथ रिटेन किया गया था। एलएसजी की गेंदबाजी इस सीजन की शुरुआत से ही कई चोटों की वजह से कमजोर रही है। मयंक, मोहसिन खान, आवेश खान और आकाशदीप सभी शुरू में चोटिल थे। ऐसे में टीम ने अनुभवी शार्दुल ठाकुर को शामिल किया, जो टीम के लिए फायदेमंद साबित हुए। बाद में आवेश और आकाश दीप भी टीम से जुड़ गए और उन्होंने क्रमश पांच और तीन मैच खेले। इन मुश्किल हालात के बावजूद एलएसजी ने अब तक सात में से चार मैच जीतकर अंक तालिका में पांचवां स्थान बना रखा है। उनका अगला मुकाबला शनिवार को जयपुर में राजस्थान रॉयल्स से होगा।

46 साल की उम्र में पिता बने जहीर खान, पत्नी सागरिका ने बेटे को दिया जन्म, साझा की पहली तस्वीर

मुंबई, एजेंसी। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान और उनकी पत्नी सागरिका घटगे ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया। दोनों ने बेटे का नाम फतेहसिंह खान रखा है। दंपति ने बुधवार को एक संयुक्त पोस्ट साझा किया और इसकी पुष्टि की। इस कपल ने जो तस्वीरें साझा की हैं उसमें जहीर खान को बेटे को गोद में उठाए हुए देखा जा सकता है, जबकि सागरिका जहीर के कंधों पर हाथ रखी हुई हैं। एक और फोटो में जहीर बेटे का हाथ थामे हुए देखे जा सकते हैं। ग्रे-स्केल तस्वीर को साझा करते हुए इस कपल ने लिखा, आपके प्यार, कृतज्ञता और ऊपर वाले के आशीर्वाद से हम अपने बेटे फतेहसिंह खान का इस दुनिया में स्वागत करते हैं। इसके बाद यह पोस्ट बधाई संदेशों से भर गया।

पोंटिंग ने चहल को लेकर कही चौंकाने वाली बात, रहाणे बोले-

पंजाब के खिलाफ हार के लिए मैं जिम्मेदार

मुल्लांपुर, एजेंसी। रहाणे के आउट होते ही केकेआर की पारी लड़खड़ा गई और टीम ने आखिरी आठ विकेट 33 रन के अंदर गंवा दिए। रहाणे ने खराब बल्लेबाजी पर भी हार का ठीकरा फोड़ा। वहीं, पोंटिंग ने इसे अपनी कोचिंग में हासिल की अब तक सबसे बेहतरीन जीत बताया है।

आईपीएल 2025 में मंगलवार को मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 16 रन से हरा दिया। इस लो स्कोरिंग मैच में पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 15.3 ओवर में 111 रन बनाए थे। जवाब में कोलकाता की टीम 15.1 ओवर में 95 रन पर सिमट गई। केकेआर की हार के बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे ने हार की जिम्मेदारी खुद पर ली है। वहीं, पंजाब के कोच रिकी पोंटिंग ने खुलासा किया है कि इस मुकाबले से पहले युजवेंद्र चहल को फिटनेस टेस्ट से गुजरना पड़ा था। उन्हें चोट लगी थी, लेकिन इसके बावजूद वह खेले। चहल प्लेयर ऑफ द मैच भी रहे। उन्होंने चार विकेट झटके। पंजाब ने आईपीएल में सबसे छोटे लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव करने का रिकॉर्ड अपने नाम किया।

कप्तान रहाणे ने ली हार की जिम्मेदारी

रहाणे ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि उनकी टीम ने बहुत खराब बल्लेबाजी की। उन्होंने मैच के बाद प्रसारकों से कहा, मैं इस हार की जिम्मेदारी लेता हूं, मैंने गलत शॉट खेला था। रहाणे युजवेंद्र चहल की गेंद पर एल्बीडब्ल्यू हुए, लेकिन मैदानी अंपायर के फैसले के खिलाफ रिव्यू नहीं लेने का उनका फैसला महंगा साबित हुआ। रिप्ले में गेंद ऑफ स्टंप से बाहर निकलती दिख रही थी। रहाणे ने कहा कि वह पूरी तरह पक्का नहीं थे कि गेंद विकेट के बाहर निकलेगी। उन्होंने कहा, वह गेंद विकेट को मिस करती, लेकिन सब कुछ वहीं से शुरू हुआ। उस समय कोई जोखिम नहीं लेना चाहता था। मै खुद भी पक्का नहीं था, इसलिए रिव्यू नहीं लेने का फैसला किया।

रहाणे के आउट होते ही केकेआर की पारी लड़खड़ाई

रहाणे के आउट होते ही केकेआर की पारी लड़खड़ा गई और टीम ने आखिरी आठ विकेट 33 रन के अंदर गंवा दिए। रहाणे ने खराब बल्लेबाजी पर हार का ठीकरा फोड़ते हुए कहा, पिच आसान नहीं थी, लेकिन 111 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल किया जा सकता था। बल्लेबाजी इकाई के तौर पर हमने बहुत ही खराब प्रदर्शन किया। हमारे गेंदबाजों ने पंजाब जैसे मजबूत बल्लेबाजी यूनिट के खिलाफ बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। हमने बल्लेबाजी में लापरवाही दिखायी और पूरी टीम को भी इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

इस तरह के मैच देखने की आदत नहीं

वहीं, मैच के बाद पंजाब किंग्स के कोच रिकी पोंटिंग ने कहा, हृदय गति अभी भी तेज है। मैं अब 50 साल का हूं और इस तरह के मैच देखने की आदत नहीं है। 112 का बचाव करते हुए हमने 16 रन से जीत हासिल की। मैंने पहली पारी के बाद अपने खिलाड़ियों से कहा था कि इन जैसे छोटे लक्ष्य कभी-कभी सबसे कठिन होते हैं। विकेट आसान नहीं था। गेंद रुक रुक कर आ रही थी, लेकिन चहल के बारे में क्या ही कहना! क्या गेंदबाजी स्पेल था उनका! चहल को कंधे की चोट की वजह से फिटनेस टेस्ट से गुजरना पड़ा था। मैं उन्हें वार्म-अप से लेकर आया और उनकी आंखों में देखकर पूछा- दोस्त क्या आप ठीक हैं? उन्होंने कहा कि कोच मैं 100 प्रतिशत ठीक हूं। मुझे खेलने दें और अब देखें क्या शानदार गेंदबाजी की उन्होंने।

पोंटिंग की अब तक की सबसे बेहतरीन जीत

पोंटिंग ने कहा, अगर हम यह मैच हार भी जाते तो भी हम दूसरे हाफ में जिस तरह से आगे बढ़े उस पर मुझे गर्व होता। हमारी बल्लेबाजी खराब थी, शॉट चयन और उसे खेलना, सब खराब था, लेकिन जब मैंने हमें गेंदबाजी के लिए मैदान पर उतरते हुए देखा तो मैं समझ गया था। हमें जल्दी विकेट मिले और हमने जो कमी बल्लेबाजी में छोड़ी थी, वह गेंदबाजी में नहीं दिखी। हमें विश्वास था और मैदान में पूरी ऊर्जा के साथ खेले जो देखने लायक था। इसलिए अगर हम हार भी जाते तो भी मैं उनसे कहता कि ये आत्मविश्वास बताता है कि आप इस सीजन के लिए तैयार हैं। मुझे लगता है कि मिड इनिंग्स में दुनिया भर में बहुत सारे लोग ये मानकर बैठे थे कि हम इसका बचाव नहीं कर सकते थे। इसलिए सभी लड़कों को श्रेय। वे इस मैच में गजब का खेले। मैंने आईपीएल में बहुत सारे मैचों में कोचिंग की है और यह मेरे लिए अब तक हासिल की सबसे बेहतरीन जीत है।

सुनील नारायण और एनरिक नॉर्टजे का बल्ला जांच में नहीं हुआ पास

मुल्लांपुर, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेले गए मुकाबले में सुनील नारायण और एनरिक नाटर्जे का बल्ला जांच में फेल रहा। आईपीएल के 31वें मुकाबले में मंगलवार को रिजर्व अंपायर सैय्यद खालिद ने कोलकाता नाइट राइडर्स की पारी शुरु होने पर सलामी बल्लेबाज नारायण का बल्ला जांचा गया। जांच के दौरान बल्ले की चौड़ाई को एक गेज के बीच से गुजारा गया। उनका बल्ला सबसे मोटा हिस्सा गेज को पार करने में विफल रहा। इस दौरान खालिद ने नारायण के साथ खड़ा रघुवंशी का बल्ला भी गौर से देखा। रघुवंशी का बल्ला इस जांच में पास रहा। पहली पारी के दौरान तीन ओवर में 14 रन देकर दो विकेट लेने वाले नारायण ने अपनी पारी में चार गेंदों में पांच रन बनाए। वहीं रघुवंशी केकेआर की ओर से 28 गेंदों में 37 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। केकेआर की ओर से नॉटर्जे अंतिम बल्लेबाज के रूप में मैदान में उतरे लेकिन वह जिस बल्ले के साथ मैदान में उतरे थे उसे वापिस भेज दिया गया

गोल्फ सनसनी रॉरी मैकइलरॉय

माता-पिता के अथक प्रयास और समर्पण से बना विश्व विजेता

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तरी आयरलैंड के गोल्फ सनसनी रॉरी मैकइलरॉय ने 89वां मास्टर्स टूर्नामेंट जीतकर आखिरकार अपना करियर ग्रैंड स्लैम पूरा कर लिया। उन्होंने प्लेऑफ में इंग्लैंड के जस्टिन रोज को हराकर ये शानदार जीत अपने नाम की। लेकिन इस सफलता के पीछे संघर्षों की कहानी जुड़ी है जिसमें मैकइलरॉय को सफल बनाने में उनके माता-पिता के अथक प्रयास और समर्पण शामिल है। मैकइलरॉय के गोल्फिंग सपनों को पूरा करने के लिए उनके माता-पिता रोजी और गेरी ने कड़ी महनत की है। रोजी और गेरी सप्ताह में 100 घंटे काम करते थे ताकि बेटे को गोल्फर बना सकें। मैकइलरॉय के पिता स्थानीय खेल क्लब में शौचालय और स्नानागार साफ करने से लेकर हॉलीवुड गोल्फ क्लब में बारटेंडर के रूप में काम करते थे। उनकी मां रोजी दिन में बेटे की देखभाल के बाद रात में 3एम फैक्ट्री में काम करती थी। 4 मई 1989 को उत्तरी आयरलैंड के काउंटी डाउन के हॉलीवुड में जन्में मैकइलरॉय का गोल्फ में रुझान उनके पिता गेरी की वजह से पैदा हुआ जो खुद भी एक गोल्फर थे। मैकइलरॉय 3 साल की उम्र में प्लास्टिक क्लब्स के लिए खेलते थे और वह 37 यार्ड ड्राइव के साथ पहली बार चर्चा में आए थे। इसके बाद मकलरॉय का रुझान गोल्फ में पैदा हुआ और उन्होंने इस क्षेत्र में अपना करियर बनाने का सोचा और इस सपने को पूरा किया।
मैकइलरॉय के पेशेवर गोल्फर बनने के बाद उन्होंने अपने माता-पिता के लिए 2009 में एक घर खरीदा और कहा, मेरे माता-पिता ने मेरे लिए जो कुछ किया है, उसका मोल कभी नहीं चुका सकता, लेकिन कम से कम वे जानते हैं कि उन्हें कभी भी एक और दिन काम नहीं करना पड़ेगा।

वानखेड़े स्टेडियम में अब रोहित शर्मा के नाम पर भी होगा स्टैंड, मुंबई क्रिकेट संघ से मिली मंजूरी

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष शरद पवार और पूर्व बल्लेबाज अजीत वाडेकर के नाम पर भी स्टैंड बनाया जाएगा। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के नाम पर वानखेड़े स्टेडियम में एक स्टैंड होने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसका फैसला मंगलवार को एमसीए की वार्षिक आम बैठक के दौरान हुआ। इसके अतिरिक्त भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष शरद पवार और पूर्व बल्लेबाज अजीत वाडेकर के नाम पर भी स्टैंड बनाया जाएगा। इन तीन दिग्गजों के नाम पर स्टैंड का नाम रखने का प्रस्ताव राजनेता और एमसीए शीर्ष परिषद के सदस्य मिलिंद नार्वेकर द्वारा रखा गया था। मुंबई क्रिकेट संघ ने एक बयान में कहा, वार्षिक आम बैठक के दौरान पारित एक अन्य प्रमुख प्रस्ताव वानखेड़े स्टेडियम में स्टैंड के नामकरण को मंजूरी देना था।

एस्टन विला से हारने के बावजूद पीएसजी सेमीफाइनल में पहुंचा

बर्मिंघम, एजेंसी। अचरफ हकीमी और नूनो मेंडेस के शुरुआती गोल की मदद से पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने एस्टन विला के खिलाफ कुल 5-4 के स्कोर से चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में जगह बना ली। हालांकि दूसरे चरण में पीएसजी को एस्टन विला से 3-2 से हार का सामना करना पड़ा। पहले चरण में पेरिस में 3-1 से हारने के बाद एस्टन विला ने वापसी की पूरी कोशिश की और शुरुआत में ही चार मिनट के अंदर दो कॉर्नर हासिल किए। लेकिन खेल खुलने के कारण पीएसजी को तेजी से जवाब देने का मौका मिल गया और इसका पूरा फायदा उठाया। यूईएफए की रिपोर्ट के अनुसार, नूनो मेंडेस ने शानदार पास देकर ब्रैडली बारकोला को आगे बढ़ाया, जिनका क्रॉस गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज ने रोका, लेकिन गेंद वापस हकीमी के पास आ गई। हकीमी ने बिना गलती किए गेंद को गोल में डाल दिया। इसके बाद जियानलुइगी डोनारुम्मा ने पाउ टोरेस के स्ट्राइक को शानदार तरीके से रोका, फिर जब नूनो मेंडेस ने एक पोस्ट के माध्यम से एक और शानदार काउंटर अटैक पूरा किया, तो उन्होंने फिर से स्कोर किया। ब्रेक से 11 मिनट पहले, यूरी टाईलेमैंस का एक घूमता हुआ शॉट विलियम पाको के टच से गोल में चला गया। फिर कप्तान जॉन मैकगिन को एक डिफ्लेक्शन का फायदा मिला, जब उनका दूर से मारा गया शॉट डोनारुम्मा के ऊपर से गोल में चला गया।

कप्तान जॉन मैकगिन को एक डिफ्लेक्शन का फायदा मिला जब उनका दूर से मारा गया शॉट डोनारुम्मा के ऊपर से गोल में चला गया। उसके कुछ ही देर बाद, मार्कस रैशफोर्ड के पेनल्टी एरिया के किनारे से मारे गए शॉट के लिए भी डोनारुम्मा पूरे तरह से तैयार थे।

इटली के इस खिलाड़ी के लिए कुछ करना मुश्किल था जब रैशफोर्ड की शानदार चाल के बाद एजरी कोंसा ने विला के लिए तीसरा गोल दागा। इसके बाद टिएलमैन्स प्रीमियर लीग क्लब को कुल स्कोर में बराबरी पर ला सकते थे, लेकिन डोनारुम्मा ने एक शानदार बचाव करते हुए उनके जोरदार हेडर को रोक दिया। अंत के दस मिनटों में मार्को असेंसियो का शॉट भी डोनारूम्मा ने अपने पैरों से रोक लिया। आखिरी क्षणों में पाचो ने इयान मास्टन के गोल की तरफ जा रहे शॉट को रोककर टीम को बचा लिया।

प्लेयर ऑफ द मैच बने युजवेंद्र चहल, तोड़ा लसिथ मलिंगा का रिकॉर्ड; प्रीति जिंटा ने दी बधाई

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 31वें मुकाबले में पंजाब किंग्स की टीम 15.3 ओवर में 111 रन पर सिमट गई और इसके बाद ऐसा लगा कि केकेआर इस मैच को आसानी से जीत लेगी। हालांकि ऐसा नहीं हो पाया और 112 रन के टारगेट का पीछा करते हुए अजिंक्य रहाणे की टीम 95 रन पर ऑलआउट हो गई और पंजाब को 16 रन से जीत मिली। पंजाब की इस जीत में श्रेयस अय्यर के गेंदबाजों का योगदान रहा जिन्होंने 111 रन के स्कोर को डिफेंड कर लिया। पंजाब के सभी गेंदबाजों ने इस मैच में विकेट लिया, लेकिन सबसे ज्यादा प्रभावी युजवेंद्र चहल रहे जिन्होंने अपनी टीम के लिए बेजोड़ प्रदर्शन करते हुए सबसे ज्यादा विकेट लिए। चहल लंबे समय के बाद लय में नजर आए जिसके लिए वो जाने जाते हैं। वहीं धनश्री से तलाक के बाद वो पहली बार प्लेयर ऑफ द मैच बने। मैच खत्म होने की टीम की ऑनर प्रीति जिंटा ने उन्हें बधाई दी।युजवेंद्र का तलाक धनश्री के साथ आईपीएल 2025 के ठीक पहले हुआ था। इसके बाद पंजाब के लिए इस सीजन में खेले पहले 5 मैचों में उनकी गेंदबाजी में वो धार नजर नहीं आई, लेकिन कोलकाता के खिलाफ चहल अपने पुराने अंदाज में चहकते दिखे जिसके लिए वो जाने जाते हैं और उनकी धारदार गेंदबाजी के दम पर प्लेयर ऑफ द मैच बने। केकेआर के खिलाफ चहल ने 4 ओवर में 28 रन देकर 4 विकेट लिए और उन्होंने इस दौरान कप्तान अजिंक्य रहाणे, अंगकृष रघुवंशी, रिंकू सिंह और रमनदीप सिंह को अपना शिकार बनाया। चहल ने इन चार विकेट के दम पर केकेआर को पूरी तरह से बैकफुट पर धकेल दिया।

लॉस एंजिलिस ओलंपिक में इस स्थान पर खेले जाएंगे क्रिकेट के मैच

दुबई, एजेंसी। क्रिकेट प्रतियोगिता में पुरुष और महिला वर्ग में छह-छह टीमें भाग लेंगी। इसका आयोजन पोमोना के फेयरग्राउंड में होगा। यह शहर ओलंपिक खेलों के मुख्य शहर लॉस एंजिल्स से 48 किलोमीटर दूर है।

क्रिकेट 128 साल के अंतराल के बाद 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में वापसी करेगा। इसको लेकर जोरशोर से तैयारियां चल रही हैं। इसी कड़ी में आईसीसी ने एक बड़ा एलान किया है। लॉस एंजिलिस ओलंपिक के दौरान जिस स्थान पर मुकाबले खेले जाएंगे, आईसीसी ने उसका एलान कर दिया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार देर रात को यह घोषणा की कि दक्षिण कैलिफोर्निया का पोमोना शहर ओलंपिक खेलों के दौरान क्रिकेट प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा।

क्रिकेट प्रतियोगिता में पुरुष और महिला वर्ग में छह-छह टीमें भाग लेंगी। इसका आयोजन पोमोना के फेयरग्राउंड में होगा। यह शहर ओलंपिक खेलों के मुख्य शहर लॉस एंजिल्स से 48 किलोमीटर दूर है। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने जारी विज्ञप्ति में कहा, हम लॉस एंजिल्स 2028 में क्रिकेट के आयोजन स्थल की घोषणा का स्वागत करते हैं क्योंकि यह ओलंपिक में हमारे खेल की वापसी की तैयारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने कहा, क्रिकेट एक बेहद लोकप्रिय खेल है, लेकिन यह खेल का विस्तार करने का एक शानदार अवसर होगा। तेज-तर्रार, रोमांचक टी20 प्रारूप में ओलंपिक में क्रिकेट नए दर्शकों को आकर्षित करेगा। इससे पहले 10 अप्रैल को लॉस एंजिलिस ओलंपिक के आयोजकों ने टीमों को लेकर घोषणा की थी। महिला और पुरुष दोनों श्रेणी में छह-छह टीमें हिस्सा लेंगी। मैच टी20 प्रारूप में खेले जाएंगे।

पिछली बार क्रिकेट साल 1900 में पेरिस ओलंपिक का हिस्सा रहा था। तब ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस के बीच दो दिवसीय मुकाबला खेला गया था। अब इसे अनाधिकारिक टेस्ट के रूप में गिना जाता है। हालांकि, लॉस एंजिलिस ओलंपिक में छह टीमें टी20 प्रारूप में खेलती दिखेंगी। इतना ही नहीं आयोजकों ने एक टीम में अधिकतम खिलाड़ियों की संख्या भी तय की है। आयोजकों ने कहा है कि एक टीम में 15 खिलाड़ी होंगे। पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में अधिकतम 90 खिलाड़ियों का कोटा तय किया गया है। यानी छह टीमों को मिलाकर अधिकतम 90 खिलाड़ी होंगे।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल के फिलहाल 12 नियमित और 94 सहयोगी सदस्य हैं। नियमित सदस्यों में अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे की टीमें हैं। हालांकि, 2028 ओलंपिक के लिए क्वालिफिकेशन प्रक्रिया के बारे में अब तक नहीं बताया गया है। इसमें अमेरिका का खेलना तय माना जा रहा है, क्योंकि उन्हें मेजबान कोटे का फायदा मिलेगा।

इन मुस्लिम अभिनेत्रियों ने

हिंदू नाम रखकर कमाई खूब शोहरत

बॉलीवुड में कई ऐसी अभिनेत्रियां हुईं, जिन्होंने अपनी अदाकारी और खूबसूरती से लोगों को दीवाना बना दिया। उनके अभिनय की लोग आज भी सराहना करते हैं। हम बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों को बारे में जानेंगे, जिनके नाम को सुनकर लगता है कि वो हिंदू है, लेकिन हकीकत में वह मुस्लिम हैं। इन सभी ने अपना नाम बदलकर इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई और खूब नाम कमाया।

तब्बू

अभिनेत्री तब्बू ने बॉलीवुड ने अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उनकी खूबसूरती और एक्टिंग के लाखों दीवाने हैं। उन्होंने कई हिट और सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। अभिनेत्री का असली नाम तबस्सुम फातिमा है।

रीना रॉय

80 के दशक की अभिनेत्री रीना रॉय ने अपनी अदाकारी से बहुतों को प्रभावित किया है। उन्होंने कई हिट फिल्में दी हैं। अभिनेत्री ने का असली नाम सायरा अली है।

मीना कुमारी

हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री मीना कुमारी का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। 'ट्रेजडी क्वीन' के नाम से मशहूर अभिनेत्री को भारत की सबसे लोकप्रिय और प्रतिष्ठित अभिनेत्रियों में से एक माना जाता हैं। उनकी अदाकारी और खूबसूरती का आज भी लोग तारीफ करते हैं। अभिनेत्री का असली नाम मीना कुमारी नहीं, बल्कि 'महजबीं बानो' था। अपने 33 साल के करियर में उन्होंने 90 से ज्यादा फिल्में की हैं।

मधुबाला

मधुबाला के अभिनय कौशल और सुंदरता की प्रशंसा करते हुए आज भी लोग नहीं थकते। उन्होंने भारतीय सिनेमा में अतुलनीय योगदान दिया है। वह अपने दौर की सबसे लोकप्रिय और सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। मधुबाला का असली नाम मुमताज जहां बेगम देहलवी था। हालांकि, लंबे समय तक उनके प्रशंसक उन्हें नाम की वजह से हिंदू ही समझते रहे हैं।

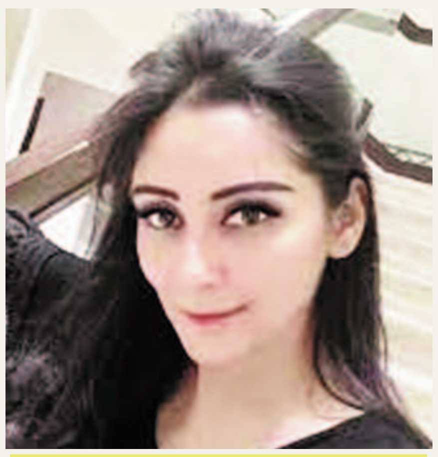

मान्यता दत्त

संजय दत्त की पत्नी मान्यता दत्त का नाम भी इस सूची में शामिल है। संजय दत्त से शादी करने से पहले वह फिल्मों में काम कर चुकी हैं। मान्यता का असली नाम दिलनवाज शेख है।

नुसरत ने साझा किया 'छोरी' के सेट का डरावना अनुभव

अभिनेत्री नुसरत भरुचा ने हाल ही में अपनी फिल्म 'छोरी 2' को लेकर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने इस्राइल से जुड़े अनुभवों को साझा किया। उन्होंने पीएम मोदी से अपनी हालिया मुलाकात पर भी चर्चा की और उनसे मिलने के अनुभव के बारे में बताया।

जीवन के अनुभवों का किरदार के लिए करती हैं इस्तेमाल

नुसरत से जब पूछा गया कि क्या छोरी 2 के किरदार का दर्द अपने अंदर लाने के लिए उन्होंने इस्राइल में हुई घटना की मदद ली? तो एक्ट्रेस ने कहा, 'हर कैरेक्टर और कहानी अलग होती है। सभी के लिए कुछ न कुछ रेफरेंस की जरूरत होती है। हां जब मुझे एक्सट्रीम इमोशन दिखाना होता है या एक्ट करना हो तो मैं अपने जीवन के अनुभवों को यूज करती हूं। हालांकि, 'छोरी' और छोरी 2 की शूटिंग मेरे साथ इस्राइल में हुई घटना से पहले ही शूट हो चुकी थी। ऐसे में इस फिल्म में रेफरेंस के तौर पर मैंने अपनी पिछली जिंदगी से कुछ चीजें यूज की थी।

पीएम मोदी से मिलना मेरे लिए सम्मान की बात

2023 में जब नुसरत इस्राइल में फंस गई थी तब उन्होंने पीएम से उन्हें वहां से निकालने की गुहार लगाई थी। अभिनेत्री ने अब हाल ही में पीएम मोदी से मुलाकात की। इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'यह बहुत ही दिलचस्प रहा। मैं हाल ही में उनसे दिल्ली में मिली। आपको बता नहीं सकती कि ये कैसा अनुभव था। हमने उन्हें मंच पर देखा है, स्क्रीन पर देखा है और भाषण देते हुए देखा है। मैं जब उनसे मिली तो यह बहुत ही सहज रहा। यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि मैं उनसे मिली और उन्हें धन्यवाद कहा। वह हमारे लिए प्रेरणा हैं। मैंने उनका समिट भी देखा है। हम कहां और कौन से नंबर पर थे और कौन से नंबर पर आ गए हैं और हमें वह कहां ले जाना चाहते हैं। उनका विजन बहुत इंस्पायर करने वाला है।'

आदर्श ने शनाया कपूर की तारीफ की

आदर्श गौरव और शनाया कपूर जल्द ही तू या मैं फिल्म में साथ नजर आने वाले हैं। ऐसे में आदर्श गौरव ने शनाया कपूर की खूब तारीफ की है। हाल ही में तू या मैं फिल्म का एलान हुआ तो दोनों को एक वीडियो में साथ में देखा गया था। बिजॉय नांबियार की फिल्म तू या मैं रोमांटिक थ्रिलर फिल्म है। एलान के बाद से फिल्म चर्चा में है।

हाल ही में आदर्श गौरव ने शनाया कपूर के साथ काम करने के अनुभव के बारे में बताया। उन्होंने हिंदुस्तान टाइम्स से बात करते हुए कहा वह बहुत सहज और शांत हैं। हम इस बात पर मजाक कर रहे थे कि पानी कितना गर्म लग रहा है, हालांकि हम शूटिंग के दौरान कांप रहे थे। शूटिंग के दौरान चुनौतीपूर्ण माहौल के बीच दोनों के बीच का रिश्ता काफी अच्छा और सहयोगात्मक था।

शनाया के साथ काम करना चाहेंगे आदर्श गौरव

आदर्श के मुताबिक उनके लिए कोई भी सीनियर या जूनियर नहीं है। मैंने उनके साथ सिर्फ तभी काम किया जब फिल्म का ऐलान हुआ। मैंने उनके साथ वीडियो शूट में काम किया, और यह अच्छा अनुभव था। उनके साथ काम करना अच्छा रहा। उनके साथ काम करने के लिए मैं उत्साहित हूं। आदर्श की बातों से लगता है कि सुर्खियों में आने के बाद शनाया लोगों पर अच्छा प्रभाव डाल रही हैं।

फिल्म के बारे में

आपको बता दें कि तू या मैं फिल्म बॉलीवुड की हिंदी फिल्म है। इसका निर्देशन बिजॉय नांबियार कर रहे हैं। फिल्म में शनाया कपूर और आदर्श गौरव हैं। ये फिल्म साल 2026 में वैलेंटाइन डे के मौके पर रिलीज होगी। फिल्म की कहानी सोशल मीडिया के लिए कंटेंट क्रिएट करने वालों पर आधारित है। वह मुंबई के आस-पास के इलाके में जाते हैं लेकिन वहां फंस जाते हैं।

शनाया कपूर के पास हैं कई प्रोजेक्ट

संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर इन दिनों आंखों की गुस्ताखियां में काम कर रही हैं। वह जल्द ही स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3 में नजर आने वाली हैं। यही नहीं शनाया कपूर साउथ की फिल्मों में भी नजर आएंगी। वह मोहनलाल की फिल्म वृषभ से जुड़ी हैं।

सलमान खान को जान से मारने की धमकी देने वाला शख्स गुजरात में पाया गया, निकला मानसिक रोगी

अभिनेता सलमान खान को जान से मारने की धमकी देने वाला शख्स गुजरात के वडोदरा जिले के वाघोडिया तालुका का निवासी निकला है। पुलिस के अनुसार धमकी देने वाला शख्स मानसिक रोगी है और उसे पूछताछ के लिए नोटिस भेजा गया है। एफआईआर दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर पुलिस ने संदेश भेजने वाले शख्स को वडोदरा से खोज निकाला है।

पुलिस ने बताया कि वडोदरा के वाघोडिया तालुका के एक गांव के निवासी 26 वर्षीय व्यक्ति का नाम मयंक पांड्या है, जो मानसिक रोगी है। उल्लेखनीय है कि सोमवार को वर्ली में परिवहन विभाग के नंबर पर धमकी भेजी गई, जिसमें अज्ञात शख्स ने अभिनेता को जान से मारने के साथ ही उनकी कार को भी बम से उड़ाने की बात कही थी। अभिनेता को धमकी मिलने के बाद वर्ली पुलिस स्टेशन में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया और अभिनेता के गैलेक्सी अपार्टमेंट की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।

प्रियंका चाहर ने अंकित गुप्ता के साथ ब्रेकअप पर की बात

अभिनेत्री प्रियंका चाहर चौधरी ने बॉम्बे टाइम्स फैशन वीक में नियारा इंडिया के लिए रैंप वॉक किया। इस इवेंट में वह बेहद खूबसूरत और आकर्षक दिखीं, उन्होंने एक शानदार ब्लैक ड्रेस पहनी थी। फैशन में हुए बदलाव के बारे में पूछे जाने पर प्रियंका ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से कहा कि उनके अनुसार, चाहे रिश्तों की बात हो या फैशन की, विकास करना हमेशा अच्छा होता है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि विकास करना हमेशा अच्छा होता है, बदलाव हमेशा अच्छे होते हैं। बदलाव के लिए आगे बढ़ना पड़ता है। इसलिए, निश्चित रूप से बदलाव अच्छी बात है, चाहे रिश्तों में बदलाव हो या फैशन में बदलाव हो। अभिनेता अंकित गुप्ता के साथ उनके ब्रेकअप की खबरों के बीच उनका यह बयान आया है। अटकलबाजी को और हवा देते हुए, अंकित ने हाल ही में शो तेरे हो जाएं हम से बाहर निकलने की घोषणा की। इस शो में वह मुख्य भूमिका में हैं। प्रियंका और अंकित पहली बार शो उड़ारियां में साथ नजर आए थे और प्रशंसकों के पसंदीदा बन गए थे। बाद में ये दोनों लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस 16 में एक साथ दिखाई दिए, जहां वह अभूतपूर्व परिस्थितियों में एक-दूसरे का समर्थन करते नजर आए। शो से बाहर निकलने के बाद, उन्होंने कई म्यूजिक वीडियो में साथ काम किया। इंस्टाग्राम पर प्रियंका और अंकित द्वारा एक-दूसरे को अनफॉलो करने के बाद उनके ब्रेकअप की अटकलें शुरू हो गईं। पुरानी यादों को ताजा करते हुए प्रियंका ने बातचीत में अंकित के साथ अपनी केमिस्ट्री के बारे में बताया था, जिसे दर्शक खूब पसंद कर रहे थे। प्रियंका ने कहा था, मुझे लगता है कि हम बहुत सच्चे हैं। मुझे लगता है कि यही एक खासियत है, जिसकी वजह से हम एक-दूसरे से जुड़े हैं। हम बहुत सामान्य हैं। हमें दिखावा करना नहीं आता, शायद यही बात हमें जोड़े रखती है। प्रियंका ने कहा, हम दोनों में कोई सेलिब्रिटी वाइब नहीं है, हम दोनों में ऐसा नहीं है कि हम बहुत सामान्य हैं और यही हमें जोड़े रखता है। यही कुछ ऐसा है जो हमें उन लोगों से जोड़े रखता है जो हमसे प्यार करते हैं।

मुझे गर्व है कि मैं वर्सेटाइल अभिनेत्री हूं: ईशा मालवीय

फिल्म के साथ टेलीविजन और म्यूजिक वीडियो के लिए काम करने वाली अभिनेत्री ईशा मालवीय हर भूमिका को जुनून के साथ निभाती हैं। अभिनेत्री ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात की। उन्होंने बताया कि स्क्रीन पर कोई भी किरदार निभाने में उन्हें खुशी मिलती है। ईशा ने कहा कि उन्हें गर्व है कि वह वर्सेटाइल अभिनेत्री हैं। इस बारे में पूछे जाने पर कि उन्हें काम के दौरान क्या मुश्किल लगता है, खुद से बिल्कुल अलग किरदार निभाना या अभिनेत्री से मिलता-जुलता किरदार निभाना, ईशा ने बताया, मुझे काम से एक अलग तरह की खुशी मिलती है और इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ता है। मुझे गर्व महसूस होता है कि मैं एक वर्सेटाइल अभिनेत्री हूं, जो कोई भी भूमिका निभा सकती है। मालवीय ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो, किसी भी किरदार को निभाते समय मेरे मन में कभी दूसरे विचार नहीं आए। मैं बस काम पर फोकस करती हूं। 21 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा कि इंडस्ट्री में उनसे बेहतर काम की अपेक्षाएं की जाती है। हालांकि, यह उनके लिए अच्छा है और वह इससे दबाव महसूस नहीं करती हैं। .उन्होंने कहा, मैं काम को लेकर खुद पर प्रेशर नहीं लेती क्योंकि मेरा मानना है कि हम सभी को खुश नहीं कर सकते। इसलिए दूसरों के सामने कुछ साबित करने के लिए काम करना मेरा तरीका नहीं है। मैं अपने लिए काम करती हूं। मेरे लिए, एक स्पष्ट लक्ष्य होना बहुत जरूरी है। इसके बिना, कोई दिशा नहीं है। मैं हमेशा ध्यान में रखती हूं कि मैं क्या हासिल करना चाहती हूं, चाहे वह अगले 30 दिनों में हो, 30 महीनों में या फिर 30 सालों में। यही स्पष्टता मुझे आगे बढ़ने में मदद करती है। ईशा ने साल 2021 में टेलीविजन शो उड़ारियां से अभिनय की शुरुआत की थी, जिसमें उनके किरदार का नाम जैस्मीन रहता है।

अर्जुन कपूर को है सिनेमा के प्रति अद्भुत ज्ञान

वे फिल्ममेकर बनना चाहते थे

हम सभी जानते हैं कि हमें यदि किसी चीज़ के प्रति रूचि है तो हम उसके प्रति और जानकारी इकठ्ठा करने लगते हैं कुछ ऐसा ही हाल अर्जुन कपूर का, सिनेमा के प्रति उनकी रुचि ने उन्हें सिनेमा के और करीब कर दिया, सिनेमा के प्रति उनके नॉलेज ने सिनेमा प्रेमियों को चौका दिया है, और यही रिएक्शन इस समय इंटरनेट पर गूंज रहा है, जब लोगों ने एक ऐसे अर्जुन कपूर को देखा जिसकी किसी ने उम्मीद नहीं की थी एक सच्चा फिल्मी दीवाना, एक फिल्म नर्ड, जो पॉइंट ब्रैक और तेजाब का ज़िक्र एक ही सांस में कर सकता है, वो भी जुनून और पैनी समझदारी के साथ।

हाल ही में वायरल हो रही एक खुली बातचीत में अर्जुन कपूर ने वही किया जो वो बखूबी करते हैं फिल्मी बातों में दिल लगा दिया और पूरी तरह छा गए। ज़्यादातर लोगों को वो टू स्टेट्स, कॉमिक फिल्म मुबारकान, लेटेस्ट सिंघम के विलेन और अंडररेटेड रत्न *संदीप और पिंकी फरार जैसे रोल्स के लिए जानते हैं। लेकिन इस बार अर्जुन ने अपने अंदर के लेयर्स हटाए और उस फिल्ममेकर को सामने लाया जो हमेशा से उनके भीतर मौजूद था। पता चला कि अर्जुन का सपना कभी सिर्फ एक स्टार बनने का नहीं था, बल्कि वो फिल्में बनाना चाहते थे।

उन्होंने बताया कि जब उनके पिता रूप की रानी चोरो का राजा बना रहे थे, तब ही उनके भीतर ये चिंगारी जली। सिनेमा का जादू ही मुझे आकर्षित करता है, उन्होंने कहा। हर चीज़ में लॉजिक होना ज़रूरी नहीं यकीन ही उस भ्रम को बेचता है। मुझे कोरियन फिल्में और यूरोपियन सिनेमा बहुत पसंद है। मैं फिल्ममेकर बनना चाहता था। समय की सबसे महंगी फिल्म थी। मैं मंत्रमुग्ध था और फिल्मों की खुशी मेरे साथ रह गई। मैं हमेशा फिल्म के बनने की प्रक्रिया जानना चाहता हूं और उसी में मुझे असली खुशी मिलती है। अर्जुन फिलहाल द डे ऑफ़ द जैकल देख रहे हैं जिसमें एडी रेडमेन हैं। उन्होंने टॉप गन सीरीज़ पर भी अपनी राय दी। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें कौनसी पसंद है, तो उन्होंने कहा, टोनी स्कॉट की फिल्म ओजी है। मुझे उनकी फिल्में बहुत पसंद हैं। फिर डेविड फिन्चर आए हमारे जीवन में, सेवन और फाइट क्लब जैसी फिल्मों के साथ। लेकिन जो बात सबसे ज़्यादा दिल को छू गई, वो थी उनका भारतीय क्रिएटर्स को दिया गया प्यार और सम्मान। आर बल्कि * और संजय लीला भंसाली से लेकर द फ़ैमिली मेन और पंचायत के मेकर्स तक, अर्जुन ने उस देसी सिनेमा को सराहा जो दिल से बनता है और अक्सर नज़रअंदाज़ हो जाता है। उन्होंने आजकल के ट्रेलर्स की भी आलोचना की जो बहुत कुछ पहले ही बता देते हैं.

साभार एजेंसी